धनबाद, मंगलवार
03 नवंबर 2026
वर्ष : 04 अंक : 33
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

टूथ पथ



ब्रीफ न्यूज

एक किलोग्राम अफीम के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, दो फरार

खूंटी, (एजेंसी) : खूंटी पुलिस ने अवैध अफीम की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लगभग एक किलोग्राम अफीम के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अड़की थाना क्षेत्र के मदहातु गांव निवासी लादु मुंडा (32) के रूप में हुई है। वहीं, उसके साथ बाइक पर सवार दो अन्य व्यक्ति जंगल-झाड़ियों का लाभ उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से एक यामाहा बाइक और झोला भी जब्त किया है। बरामद अफीम की अनुमानित कीमत पांच लाख रुपये बताई गई है।

यह जानकारी पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि एक नवंबर को गुप्त सूचना मिली थी कि अड़की की ओर से तीन व्यक्ति बाइक पर अफीम लेकर मु-रहू स्थित नील फैक्ट्री की तरफ आ रहे हैं। सूचना के आधार पर एस-डीपीओ मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में छापेमारी दल गठित किया गया। पुलिस टीम ने चालम बरटोली पक्की सड़क पर वाहन जांच शुरू की इसी दौरान बाइक पर सवार तीन व्यक्ति आते दिखे। पुलिस को देखकर तीनों बाइक छोड़कर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर लादु मुंडा को पकड़ लिया, जबकि दो अन्य फरार हो गए। आरोपित के पास मौजूद झोले की तलाशी लेने पर पारदर्शी प्लास्टिक में रखा 998 ग्राम अफीम जैसा पदार्थ बरामद हुआ।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

खूंटी , (एजेंसी) : गुमला जिले के कामडारा थाना क्षेत्र के पोकला गेट रेलवे क्रॉसिंग के समीप रविवार देर रात मालगाड़ी की चपेट में आने से 19 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में युवक के दोनों हाथ और दोनों पैर कटकर अलग हो गए। गंभीर अवस्था में उसे इलाज के लिए खूंटी सदर अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।मृतक की पहचान मंगलदीप कंडुलना (19) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड अंतर्गत गट्टीबंधु, पूजा-रटोली का निवासी था। हालांकि, उसके परिजन पिछले कई वर्षों से कामडारा प्रखंड के कुदा गांव में घर बनाकर रह रहे हैं।जानकारी के अनुसार, रविवार रात मंगलदीप कथित रूप से नशे की हालत में रेलवे ट्रैक की ओर चला गया था। इसी दौरान हटिया से राउरकेला की ओर जा रही मालगाड़ी की चपेट में आ गया। हादसे में वह बुरी तरह जख्मी हो गया।

अग्निवीरों की सेवा अवधि बढ़ाने पर विचार, पहले बैच का कार्यकाल 21 नवंबर को होगा पूरा

नई दिल्ली (एजेंसी) : अग्निपथ योजना के तहत सशस्त्र बलों में भर्ती हुए अग्निवीरों की सेवा अवधि बढ़ाने को लेकर केंद्र सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। इसके तहत स्थायी सेवा में चयनित नहीं हो पाने वाले कुछ अग्निवीरों को अति-रक्त समय तक सेना में बनाए रखने का विकल्प तलाशा जा रहा है। इस प्रस्ताव पर पिछले कुछ दिनों में कई उच्चस्तरीय बैठकें हो चुकी हैं।अग्निपथ योजना के तहत भर्ती पहले बैच के अग्निवीरों का चार वर्ष का कार्यकाल लगभग पूरा होने वाला है। आगामी 21 नवंबर को उनकी सेवा अवधि समाप्त हो जाएगी। वहीं, स्थायी सेवा के लिए चयन प्रक्रिया पहले से जारी है। योजना के प्रावधानों के अनुसार, कुल अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत को नियमित सेवा में शामिल किया जा सकता है, जबकि शेष को चार साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद सेवामुक्त किया जाता है।सरकार अब उन अग्निवीरों को भी कुछ समय तक सेवा में बनाए रखने की संभावना पर विचार कर रही है, जिन्हें स्थायी भर्ती में जगह नहीं मिल पाएगी। प्रस्ताव का उद्देश्य युवाओं को अति-रक्त अनुभव और आय का अवसर देना है। इससे सेना को भी पहले से प्रशिक्षित जवानों की सेवाएं कुछ और समय तक मिल सकती हैं।

भारत अगले 10-11 वर्षों में 500 गीगावाट अतिरिक्त स्वच्छ ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य लेकर बढ़ेगा : मोदी



नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत आने वाले 10-11 वर्षों में 500 गीगावाट अतिरिक्त गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता जोड़ने का प्रयास करेगा। इससे दशक के अंत तक देश के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के अवसर पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक और नीतिगत स्थिरता, विशाल घरेलू मांग तथा विकास की संभावनाओं के कारण भारत वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक केंद्र बन रहा है। प्रधानमंत्री सोमवार को भारत मंडपम में भारत नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि देश की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्त्रोतों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। भारत लगभग 300 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल कर चुका है और सौर एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है।

मोदी ने कहा कि भारत ने वर्ष 2021 में 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करने का संकल्प लिया था। पेरिस समझौते के तहत कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य भी देश ने 2025 में ही पूरा कर लिया, जबकि इसकी समयसीमा 2030 थी।

प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी और पश्चिम एशिया संकट जैसी वैश्विक चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन परिस्थितियों के बावजूद भारत ने अपनी विकास गति बनाए रखी है। उनके अनुसार, यदि पिछले एक दशक में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश और आवश्यक व्यवस्थाओं का विकास नहीं किया गया होता, तो वैश्विक संकटों का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर कहीं अधिक गंभीर हो सकता था। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि ऊर्जा सुरक्षा सीधे आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी है और भविष्य की ऊर्जा जरूरतों का स्थायी समाधान स्वच्छ ऊर्जा में ही निहित है।

मोदी ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि सरकारी भवनों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों और सड़कों की प्रकाश व्यवस्था को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाए। अब तक 44 हजार से अधिक सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा की व्यवस्था की जा चुकी है, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 700 करोड़ रुपये की बचत हो रही है।

फरवरी 2024 में शुरू की गई पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके तहत एक करोड़ घरों की छतों पर सौर पैनल लगाने का लक्ष्य है। पिछले 24-25 महीनों में 65 लाख से अधिक घर इस अभियान से जुड़ चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने किसानों को अन्नदाता के साथ-साथ ऊजार्दाता बनने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि पीएम-कुसुम योजना के तहत 30 लाख से अधिक किसानों को सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अनुमान के मुताबिक, सौर पंपों का इस्तेमाल करने वाला प्रत्येक किसान सालाना करीब एक लाख रुपये तक बचा सकता है। उन्होंने किसानों को खाली जमीन और खेतों की मेड़ों पर सौर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत बताई।

देवघर एयरपोर्ट पर सीजेआई सूर्यकांत का भव्य स्वागत, जैप जवानों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने बुके भेंट कर किया अभिनंदन



टूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर । देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के सोमवार को देवघर पहुंचने पर एयरपोर्ट परिसर में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया। वहीं, जैप-01 के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी।

स्वागत समारोह में झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद एवं न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.के. झा, झालसा की सदस्य सचिव कुमारी रंजन अस्थाना, संथाल परगना प्रमंडल के आयुक्त शैलेंद्र कुमार लाल तथा डीआईजी अंबर लकड़ा उपस्थित रहे।

इसके अलावा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया, पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर, उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त सुलोचना मीणा और अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार ने भी मुख्य न्यायाधीश को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

हवाई किराए में 700 प्रतिशत तक वृद्धि का आरोप, सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार



- याचिकाकर्ता ने किराए में मनमानी बढ़ोतरी को बताया संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन
- पीठ की टिप्पणी—हवाई यात्रा मत कीजिए
- मुख्य याचिका पर 16 नवंबर को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी) : त्योहारों के दौरान घरेलू उड़ानों के किराए में भारी बढ़ोतरी का मामला सोमवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। याचिकाकर्ता की ओर से हवाई टिकटों की कीमतों में करीब 700 प्रतिशत तक वृद्धि का आरोप लगाते हुए तत्काल सुनवाई की मांग की गई। हालांकि, अदालत ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की कि हवाई यात्रा मत कीजिए।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि घरेलू उड़ानों के किराए में 700 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। इस पर पीठ ने कहा कि विमान से यात्रा मत कीजिए। वकील ने दलील दी कि हवाई यात्रा एक आवश्यक सेवा है और किराए में इस तरह की मनमानी वृद्धि संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।

हवाई किराए पर नियामक व्यवस्था बनाने की मांग

दरअसल, सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायणन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर विमानन क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और यात्रियों के हितों की रक्षा के लिए स्वतंत्र नियामक व्यवस्था बनाने की मांग की है। याचिका में हवाई किराए में मनमाने तरीके से होने वाली बढ़ोतरी पर रोक लगाने की भी अपील की गई है।

इससे पहले जनवरी में हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने त्योहारों के समय हवाई किराए में अत्यधिक वृद्धि को यात्रियों का शोषण बताया था। अदालत ने इस मामले में केंद्र सरकार से जवाब भी मांगा था।

2027 से लागू होंगे नए वायुयान नियम

इस बीच केंद्र सरकार ने भारतीय वायुयान नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं। इनके तहत असाधारण परिस्थितियों में जनहित को ध्यान में रखते हुए सरकार एयरलाइंस को किराए में बदलाव करने का निर्देश दे सकेगी। ये नियम 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होंगे।

मेहनत और दृढ़ संकल्प से ही हासिल होता है मुकाम, बच्चों को बड़े सपने देखने चाहिए : राज्यपाल

लोकभवन में स्कूली बच्चों से मिले संतोष कुमार गंगवार, अपने जीवन के संघर्षों का साझा किया अनुभव



टूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि जीवन में कठिनाइयां कितनी भी आएं, लेकिन मजबूत इच्छाशक्ति, निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। बच्चों को अपने सपने बड़े रखने चाहिए और उन्हें पूरा करने के लिए पूरी लगन से प्रयास करना चाहिए।

सोमवार को लोकभवन में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मोरहाबादी के विद्यार्थियों तथा शिव नारायण मारवाड़ी कन्या मध्य विद्यालय की छात्राओं से मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने उन्हें शिक्षा के महत्व और जीवन में अनुशासन की भूमिका समझाई। उन्होंने बच्चों को नियमित पढ़ाई करने, अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखने और भविष्य के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने की सलाह दी।इस दौरान राज्यपाल ने अपने जीवन के संघर्षों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनका जन्म एक सामान्य परिवार में हुआ था और जब वे मात्र एक वर्ष के थे, तभी उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद उनकी मां ने कठिन परिस्थितियों में उनका पालन-पोषण किया और शिक्षा दिलाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि जीवन में विपरीत परिस्थितियां आने के बावजूद हौसला नहीं खोना चाहिए। मेहनत और दृढ़ संकल्प से मुश्किल रास्तों को भी आसान बनाया जा सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि बच्चों को अच्छे विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। समाज के विभिन्न वर्ग भी शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। विद्यार्थियों को इस अवसर का सदुपयोग करते हुए पढ़ाई के प्रति गंभीर रहना चाहिए।उन्होंने बच्चों को सीखने की जिज्ञासा बनाए रखने की सलाह देते हुए कहा कि पढ़ाई के दौरान किसी विषय में संदेह या सवाल हो तो शिक्षकों और सहपाठियों से पूछने में संकोच नहीं करना चाहिए। सवाल पूछने और नई चीजें सीखने की प्रवृत्ति से ही ज्ञान का विस्तार होता है।राज्यपाल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाला व्यक्ति भी प्रतिभा, परिश्रम और मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। इसलिए विद्यार्थियों को अपनी संभावनाओं को सीमित नहीं करना चाहिए और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने बच्चों को लोकभवन के उद्यान में भ्रमण कराया। उन्होंने वहां लगे कल्पतरु, रुद्राक्ष और सिंदूर सहित विभिन्न विशेष पौधों की जानकारी भी दी। बच्चों ने उद्यान का भ्रमण कर कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

वोटिंग मशीनों में गड़बड़ी हुई तो कांग्रेस ने कई राज्यों में सरकारें कैसे बनाईं : अमित शाह

- हैदराबाद में भाजपा की महा पदयात्रा के बाद जनसभा को किया संबोधित
- एसआईआर, मतदाता सूची और घुसपैठ के मुद्दों पर संसद के विशेष सत्र में चर्चा की चुनौती
- 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाने के दावे को किया खारिज



हैदराबाद, (एजेंसी) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वोट चोरी और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर कांग्रेस तथा राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल किया कि यदि मतदान मशीनों में हेरफेर हुई थी, तो कांग्रेस ने तेलंगाना, केरल, हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु में सरकारें कैसे बनाईं? शाह ने विपक्ष की ओर से रामलीला मैदान में आयोजित रैली में लगाए गए आरोपों को भी खारिज किया।

सोमवार को अमित शाह ने 'इंडिया' गठबंधन के एसआईआर विरोधी अभियान के जवाब में भाजपा के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत हैदराबाद में महा पदयात्रा का नेतृत्व किया। इसके बाद आयोजित जनसभा में उन्होंने विपक्ष को चुनौती दी कि विधायी कार्यवाही बाधित करने के बजाय मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), ईवीएम और घुसपैठ जैसे सभी विवादित मुद्दों पर संसद के विशेष सत्र में चर्चा करे।

13 करोड़ नाम हटाने के दावे पर दी सफाई

गृह मंत्री ने मतदाता सूची से 13 करोड़ नाम हटाए जाने के विपक्षी दावे को खारिज करते हुए कहा कि छह करोड़ से अधिक मतदाता दूसरे स्थानों पर चले गए थे, जबकि लगभग तीन करोड़ लोगों की मृत्यु हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि फर्जी मतदान रोकने के लिए ऐसे नामों को मतदाता सूची से हटाना आवश्यक था।

शाह ने संसदीय जवाबदेही पर जोर देते हुए कहा कि देश के मतदाताओं ने कांग्रेस के निराधार आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वह संसद में सभी मुद्दों पर चर्चा करे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा न डाले।

बशीरबाग से मोज्जम जाही मार्केट तक निकली पदयात्रा

अमित शाह ने हैदराबाद के बशीरबाग स्थित बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद पदयात्रा शुरू की। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, बंदी संजय कुमार, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव सहित पार्टी के सांसद, विधायक, विधान पार्षद और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

राष्ट्रीय ध्वज लेकर निकली करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के नारे लगाए गए। यात्रा मोज्जम जाही मार्केट पहुंचकर समाप्त हुई, जहां

कुशीनगर में भीषण सड़क हादसा, तिलक समारोह से लौट रहे एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत सात की मौत

ओमनी वैन और ट्रेलर की आमने-सामने हुई टक्कर, दो लोग गंभीर रूप से घायल

मुख्यमंत्री ने हादसे पर जताया शोक, अधिकारियों को राहत और सहायता के निर्देश



कुशीनगर, (एजेंसी) : उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की जान चली गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा हाटा कोतवाली क्षेत्र के हाटा-पिपराइच मार्ग पर थरुआडीह के पास एक पेट्रोल पंप के समीप हुआ, जहां तिलक समारोह से लौट रही ओमनी वैन की सामने से आ रहे ट्रेलर से जोरदार टक्कर हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के पांच सदस्य शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, कप्तानगंज थाना क्षेत्र के भलुही गांव निवासी प्रधान प्रतिनिधि कन्हैया प्रसाद अपने परिवार और परिचितों के साथ देवराज पिपरा में एक रिश्तेदार के यहां आयोजित तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी लोग देर रात ओमनी वैन से घर लौट रहे थे। इसी दौरान थरुआडीह के पास उनकी वैन सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद वैन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। दुर्घटना में कन्हैया प्रसाद, उनके पिता रामबेलास, राम मिलन और आयुष समेत सात लोगों की मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। हादसे की खबर भलुही गांव पहुंचते ही शोक की लहर दौड़ गई। जिस परिवार में तिलक समारोह की खुशियां थीं, वहां अचानक मातम छा गया।

दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कुशीनगर में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही शोक संतप्त परिवारों से संवाद कर उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा है।

संक्षिप्त खबरें

दामोदा बस्ती में अवैध खनन पर बीसीसीएल का शिकंजा, मुहाने की कराई गई भराई



पुलिस और सीआईएसएफ के साथ संयुक्त अभियान, सुरक्षा में तैनात रहे 50 जवान

बाघमारा (धनबाद)। बीसीसीएल के एरिया-1 में अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ प्रबंधन ने सख्त रुख अपनाते हुए दामोदा बस्ती के पीछे संचालित अवैध खदान के मुहाने को बंद करा दिया। इस कार्रवाई में बीसीसीएल प्रबंधन के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ स्थानीय पुलिस तथा सीआईएसएफ की टीम ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया।

अवैध खनन स्थल पर कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए सीआ-ईएसएफ कंपनी कमांडर के नेतृत्व में लगभग 50 जवानों को तैनात किया गया था। सुरक्षा बलों की मौजूदगी और निगरानी में अवैध खनन के मुहाने की भराई का काम पूरा कराया गया।

पूरे अभियान के दौरान बीसीसीएल प्रबंधन, पुलिस और सीआईएसएफ के जवान मुस्तैद रहे। संयुक्त कार्रवाई का उद्देश्य क्षेत्र में अवैध कोयला उत्खनन पर रोक लगाना और संभावित दुर्घटनाओं की आशंका को कम करना था।

प्रबंधन की इस पहल से अवैध खनन में संलिप्त तत्वों पर अंकुश लगाने की कोशिश की गई है। हालांकि, क्षेत्र में अवैध उत्खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नियमित निगरानी और लगातार कार्रवाई भी जरूरी है।

लोकतंत्र बचाओ-अराजकता रोको के नारे के साथ आज सड़क पर उतरेगी एबीवीपी

मोरहाबादी की बापू वाटिका से अल्बर्ट एक्का चौक तक निकलेगा विरोध मार्च

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की झारखंड प्रदेश इकाई तीन नवंबर को राजधानी रांची में लोकतंत्र बचाओ-अराजकता रोको अभियान के तहत जनसभा और विरोध प्रदर्शन आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से परिषद लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा का संदेश देगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से अल्बर्ट एक्का चौक तक विशाल विरोध मार्च निकाला जाएगा। इसमें बड़ी संख्या में परिषद के कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व संयुक्त सचिव वैभव मीणा भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

एबीवीपी की ओर से कहा गया है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता, गरिमा और मयार्दा का सम्मान जरूरी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति और विरोध व्यक्त करने का अधिकार सभी को है, लेकिन इसके लिए संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन भी अनिवार्य है।

झारखंड प्रदेश मंत्री प्रकाश टूटी ने कहा कि लोकतंत्र महज शासन संचालन की व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह संवैधानिक संस्थाओं, नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति सम्मान का आधार है। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए युवाओं से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की बेटियों ने रचा इतिहास, चैंपियन ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

फाइनल में तमिलनाडु को हराकर हासिल किया खिताब, पूरे टूनार्मेंट में अजेय रही टीम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड की बेटियों ने राष्ट्रीय खेल मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 34वीं राष्ट्रीय सब जूनियर थ्रोबॉल प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया। झारखंड की बालिका टीम ने शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए पूरे टूनार्मेंट में अजेय रहते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। लीग मुकाबलों से लेकर फाइनल तक टीम ने लगातार जीत दर्ज कर राज्य का मान बढ़ाया।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित विवेकानंद कॉलेज परिसर में 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में झारखंड की टीम ने मध्य प्रदेश को 25-08, 25-20 से हराकर अपने अभियान की दमदार शुरूआत की। इसके बाद महाराष्ट्र को 25-23, 25-28 तथा आंध्र प्रदेश को 25-06, 25-16 से पराजित कर लीग चरण में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

नॉकआउट मुकाबलों में भी झारखंड की खिलाड़ियों का दबदबा कायम रहा। क्वार्टर फाइनल में तेलंगाना को 25-07, 25-04 से और सेमीफाइनल में मुंबई को 25-09, 25-18 से शिकस्त देकर टीम ने फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में झारखंड की खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए तमिलनाडु को 25-16, 25-23 से हराकर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

इस उपलब्धि पर झारखंड राज्य थ्रोबॉल संघ के अध्यक्ष वेदांत कौस्तव ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह सफलता राज्य की बेटियों की प्रतिभा, कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है। संघ के चेयरमैन डॉ. राजेश गुप्ता ने भी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और राज्य में थ्रोबॉल को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत खेल पदाधिकारियों की सामूहिक मेहनत का नतीजा है।

कांटाटोली के अपार्टमेंट में पुलिस की दबिश, देसी पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । राजधानी के कांटाटोली स्थित वासुदेव नगर में पुलिस ने छापेमारी कर एक अपार्टमेंट से युवक को देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई रिबुलेन इनफ्लैक्स अपार्टमेंट के ई-ब्लॉक में की गई। गिरफ्तार युवक की पहचान 28 वर्षीय अमरजीत कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह मूल रूप से चतरा जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के पिपरा गांव का निवासी है।

पुलिस के अनुसार, रांची एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 103 में कुछ संदिग्ध युवक मौजूद हैं और किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए सिटी डीएसपी केवी रमण के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया।

पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर संबंधित फ्लैट में तलाशी ली। इस दौरान अमरजीत कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एक देसी पिस्टल और एप्पल कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

टाटा स्टील की दो कोलियरियों ने हासिल की पांच सितारा रेटिंग, कोयला राज्य मंत्री ने किया सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जोरापोखर। टाटा स्टील के झरिया डिवीजन ने खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2024-25 के लिए डिवीजन की भेलाटांड़ अमलगैमेटेड कोलियरी और सिजुआ कोलियरी को प्रतिष्ठित पांच सितारा रेटिंग से नवाजा गया है। रायपुर में कोयला मंत्रालय की ओर से आयोजित ह्यस्टार रेटिंग अवॉर्ड्स फॉर कोल एंड लिग्नाइट माइंसह्न समारोह में दोनों कोलियरियों को यह सम्मान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर झरिया डि-वीजन के जनरल मैनेजर नरेंद्र कुमार गुप्ता, सिजुआ कोलियरी के हेड संजीव कुमार ठाकुर और अधिकारियों की टीम ने कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया।



समारोह में कोयला मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि इस वर्ष ओपनकास्ट, भूमिगत और मिश्रित खदानों की श्रेणियों में कुल 382 खदानों ने मूल्यांकन में हिस्सा लिया था। इनमें महज 50 खदानें ही पांच सितारा रेटिंग हासिल करने में सफल रहीं। भूमिगत खदानों की श्रेणी में शामिल 140 माइंस में से केवल 15 को यह प्रतिष्ठित सम्मान मिला, जिनमें टाटा स्टील झरिया डिवीजन की दोनों कोलियरियां शामिल हैं।

इससे पहले वर्ष 2023-24 में सिजुआ कोलियरी को चार सितारा, जबकि भेलाटांड़ कोलियरी को पांच सितारा रेटिंग मिली थी। इस बार दोनों खदानों ने सर्वोच्च श्रेणी का सम्मान प्राप्त कर डिवीजन की उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया है।

इस उपलब्धि पर जनरल मैनेजर नरेंद्र कुमार गुप्ता ने अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि झरिया डिवीजन में सुरक्षा हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। यह सम्मान कर्मचारियों की मेहनत, अनुशासन, सामूहिक जिम्मेदारी और बेहतर टीमवर्क का परिणाम है।

कोयला मंत्रालय की स्टार रेटिंग व्यवस्था के तहत खदानों का मूल्यांकन सुरक्षा मानकों, वैज्ञानिक खनन पद्धति, पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर किया जाता है। ऐसे में टाटा स्टील की दोनों कोलियरियों को पांच सितारा रेटिंग मिलना खनन क्षेत्र में उनकी बेहतर कार्यप्रणाली और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

बिजली-पानी की समस्या पर जयरामपुर प्रबंधन से वार्ता, दो दिनों में समाधान का भरोसा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जोरापोखर। जेलगोरा इंदिरा आवास, हरिजन बस्ती और भुईयां बस्ती में बिजली एवं पेयजल की बदहाल व्यवस्था को लेकर जनता श्रमिक संघ ने प्रबंधन के समक्ष आवाज उठाई। बीसीसीएल लोदना एरिया जनता श्रमिक संघ के क्षेत्रीय संगठन सचिव राहुल सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एकीकृत जयरामपुर कोलियरी प्रबंधन के साथ वार्ता कर स्थानीय समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि तीनों बस्तियों में बिजली और पेयजल की गंभीर समस्या के कारण लोगों को रोजमर्रा के कामकाज में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में पूर्व में प्रबंधन को मांग-पत्र भी सौंपा गया था। वार्ता के दौरान संघ के सदस्यों ने समस्याओं को विस्तार से रखते हुए इनके स्थायी समाधान पर जोर दिया।



प्रबंधन ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों पर सकारात्मक पहल करते हुए दो दिनों के भीतर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। संघ ने उम्मीद जताई कि प्रबंधन अपने आश्वासन पर शीघ्र कार्रवाई करेगा, ताकि स्थानीय लोगों को राहत मिल सके।

मौके पर राहुल सिंह ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को बिजली और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। जनता की जायज समस्याओं को लेकर संगठन लगातार संघर्ष करता रहेगा और जरूरत पड़ने पर प्रबंधन के समक्ष आवाज उठाता रहेगा।

वार्ता में अनीता देवी, विजय हरि, विशाल साव, उत्तम, अविनाश पासवान, सनी सहित दर्जनों स्थानीय लोग मौजूद थे।

भाजपा पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग करे, फिर लोकतंत्र बचाने की बात करे : केशव महतो कमलेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने भाजपा की ओर से सोमवार को आयोजित ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओह्न पदयात्रा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने भाजपा के इस अभियान को राजनीतिक दिखावा बताते हुए कहा कि लोकतंत्र की रक्षा की बात करने से पहले पार्टी को अपने राजनीतिक आचरण और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अपनी जवाबदेही स्पष्ट करनी चाहिए केशव महतो कमलेश ने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में लोकतंत्र की मजबूती को लेकर गंभीर है, तो उसे सबसे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करनी चाहिए। साथ ही चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों का भी जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का लोकतंत्र के प्रति प्रेम केवल राजनीतिक मंचों और कैमरों तक सीमित है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि देश में मतदाताओं के मताधिकार और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। विपक्षी दल लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं। ऐसे समय में भाजपा की पदयात्रा जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने का प्रयास है।

उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा आखिर किस लोकतंत्र को बचाने और किस अराजकता को समाप्त करने की बात कर रही है? कमलेश ने कहा कि एक ओर भाजपा संवैधानिक मयार्दाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करती है, वहीं दूसरी ओर दुष्यंत कुमार और हरदीप पुरी जैसे लोगों को महत्वपूर्ण पदों पर बनाए रखती है। भाजपा को पहले अपने राजनीतिक व्यवहार और सत्ता संचालन के तरीके पर आत्ममंथन करना चाहिए।

झारखंड में अवैध खनन पर खान विभाग सख्त, डीसी-एसपी को कार्रवाई का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।झारखंड में बालू समेत अन्य खनिजों के अवैध खनन और कारोबार पर रोक लगाने के लिए खान विभाग ने सख्ती दिखाई है।विभाग ने सभी जिलों के उपायुक्तों और एसपी को पत्र लिखकर अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।लगातार मिल रही शिकायतों और मीडिया में छप रही खबरों के बाद खान विभाग ने यह कदम उठाया गया है।खान विभाग के निदेशक ने साफ कहा है कि अवैध खनन के मामलों में केवल खानापूर्ति नहीं चलेगी।जिला प्रशासन और पुलिस को मिलकर ऐसे मामलों पर तुरंत कार्रवाई करनी होगी। कार्रवाई की जानकारी हर महीने विभाग को भी देनी होगी।विभाग ने निर्देश दिया है कि अखबारों में अवैध खनन से जुड़ी खबरों को गंभीरता से लिया जाए। खासकर एनजीटी की ओर से बालू उठाव पर रोक की अवधि में होने वाले अवैध खनन पर तुरंत कार्रवाई की जाए। साथ ही कार्रवाई की रिपोर्ट विभाग को भेजी जाए।अवैध खनन रोकने के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक हर महीने करनी होगी।इसमें पुलिस, खनन, परिवहन और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को शामिल होना होगा।खान विभाग के मुख्यालय से मिलने वाली शिकायतों की सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर उनका निपटारा करना होगा।अवैध खनिज के परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए जिलों में क्षेत्रवार छापेमारी और गश्ती दल बनाए जाएंगे।इन दलों की कार्रवाई की हर महीने समीक्षा होगी। अवैध खनन या परिवहन में शामिल लोगों और संस्थाओं की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।बालू घाटों पर अवैध खनन और ढुलाई रोकने के लिए जरूरत के अनुसार सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

मंदरा में अवैध कोयला खनन के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा, कार्रवाई की मांग

बीसीसीएल अधिकारियों पर हमले की घटनाओं से बढ़ी चिंता, समाजसेवी कान्हाई चौहान ने प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बाघमारा। बरोरा क्षेत्र के मंदरा में कथित अवैध कोयला उत्खनन और कारोबार को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे पर समाजसेवी कान्हाई चौहान के नेतृत्व में माथाबांध मंदरा स्थित शिव मंदिर परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और संबंधित विभागों से अवैध गतिविधियों पर तत्काल अंकुश लगाने की मांग की गई।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कान्हाई चौहान ने कहा कि बरोरा और आसपास के इलाकों में अवैध कोयला उत्खनन का मामला लगातार गंभीर रूप ले रहा है। कथित कोयला चोरों



के बढ़ते हौसले के कारण बीसीसीएल अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है। हाल ही में जोगीडीह कोलियरी में हुई हमले की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब कोलियरी के अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो अवैध उत्खनन प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा की गारंटी कौन लेगा?

उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते अवैध खनन पर रोक नहीं लगाई गई तो कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। प्रशासन से किसी अप्रिय घटना की प्रतीक्षा करने के बजाय पहले ही प्रभावी कदम उठाने की अपील की गई।

कान्हाई चौहान ने मांग की कि मंदरा एवं बरोरा क्षेत्र में संचालित अवैध कोयला कारोबार की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा इसमें संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है और आम लोगों की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने भी अवैध उत्खनन के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि अवैध कारोबार के चलते क्षेत्र की शांति और सुरक्षा पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में रविन्द्र चौहान, डीके चौहान, नीकू चौहान, महेश चौहान, आकाश चौहान, सूरज चौहान, गुड्डू चौहान, धर्मेंद्र चौहान समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

थाने में महिला से दुष्कर्म के आरोप पर भाजपा का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री का फूंका पुतला

राज सिन्हा ने महिला सुरक्षा पर सरकार को घेरा, बोले- जब थाना परिसर ही सुरक्षित नहीं तो आम महिलाओं की रक्षा कौन करेगा?

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना परिसर में न्याय की गुहार लेकर पहुंची महिला के साथ पुलिसकर्मी पर दुष्कर्म का आरोप लगने के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। घटना के विरोध में रविवार को धनबाद में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा सदर मंडल एवं सरायढेला मंडल के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर घटना पर नाराजगी जताई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने राज्य की कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी महिलाओं को सुरक्षा देना और उन्हें न्याय दिलाना है, लेकिन थाना परिसर में ही एक पुलिसकर्मी पर दुष्कर्म जैसा गंभीर आरोप लगना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

राज सिन्हा ने सवाल उठाया कि जब महिलाएं पुलिस थाने के भीतर भी सुरक्षित नहीं हैं, तो राज्य के दूसरे हिस्सों में उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने कहा



कि न्याय की उम्मीद लेकर थाने पहुंचने वाली महिलाओं के साथ इस तरह की घटना पुलिस व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

विधायक ने मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने के साथ पीड़िता को पर्याप्त सुरक्षा एवं न्यायिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जांच में यदि आरोपी पुलिसकर्मी के अलावा किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका या अधिकारियों की लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ भी कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा से जुड़े मामलों में भाजपा चुप नहीं रहेगी। राज्य सरकार को जवाब देना चाहिए कि महिला सुरक्षा के लिए किए जा रहे दावों को जमीन पर लागू करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाने, महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने और पुलिस प्रशासन की जवाबदेही तय करने की मांग की।

इस अवसर पर जिला महामंत्री मानस प्रसून, रूपेश सिन्हा, मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता, बसंती सिंह, रमा सिन्हा, श्रवण झा, टुन्ना सिंह, सूरज पासवान समेत सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादक:- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेल:-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

रिसर्च को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए आईआईटी धनबाद में विशेष कार्यशाला



वेब ऑफ साइंस, एंडनोट समेत आधुनिक डिजिटल टूल्स का दिया गया प्रशिक्षण, शोध की गुणवत्ता और प्रभाव बढ़ाने पर जोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। शोध कार्यों की गुणवत्ता में सुधार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान मजबूत करने के उद्देश्य से आईआईटी (आईएसएम) धनबाद की सेंट्रल लाइब्रेरी ने क्लैरिवेट एनालिटिक्स के सहयोग से एक विशेष कार्यशाला आयोजित की। ह्यमेक योर रिसर्च काउंटह्ल विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में फैकल्टी सदस्यों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल रिसर्च टूल्स की उपयोगिता और उनके प्रभावी इस्तेमाल की जानकारी दी गई।

कार्यशाला में विश्वसनीय शोध सामग्री की पहचान, शोध कार्यों को व्यवस्थित बनाने, अकादमिक प्रदर्शन के मूल्यांकन, उपयुक्त जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित कराने और शोध की वैश्विक पहुंच बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में आईआईटी (आईएसएम) के डिप्टी डायरेक्टर प्रो. सरत कुमार दास उपस्थित रहे। उनके साथ सेंट्रल लाइब्रेरी के प्रोफेसर-इन-चार्ज प्रो. सुमंत के. पाढ़ी, संस्थान के लाइब्रेरियन पार्थ डे और डिप्टी लाइब्रेरियन सतीश कुमार भी मौजूद थे।

कार्यशाला में क्लैरिवेट की लीड सॉल्यूशन कंसल्टेंट (रिसर्च एंड एनालिटिक्स) डॉ. सुभाश्री नाग ने विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कंपनी के एकीकृत रिसर्च इकोसिस्टम के अंतर्गत वेब ऑफ साइंस, रिसर्च असिस्टेंट, एंडनोट और इनसाइट्स जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि शोध की विभिन्न अवस्थाओं में इन उपकरणों का इस्तेमाल किस प्रकार समय बचाने, जानकारी व्यवस्थित करने और शोध की गुणवत्ता सुधारने में मददगार हो सकता है।

इनसाइट्स टूल के माध्यम से शोध प्रदर्शन की तुलना, संस्थानों की अनुसंधान क्षमता का मूल्यांकन, अंतरराष्ट्रीय सहयोग की संभावनाओं की पहचान और शोध के प्रभाव को मापने की तकनीकों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यशाला का प्रमुख आकर्षण वेब ऑफ साइंस के ट्रायल एक्सेस की शुरूआत रही। इससे प्रतिभागियों को शोध संबंधी जानकारियों और अकादमिक संसाधनों तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रतिभागियों के लिए क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले शीर्ष पांच प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसके बाद हाई टी के दौरान शोधार्थियों और विशेषज्ञों के बीच विभिन्न शोध विषयों पर संवाद हुआ।

सिंदरी में युवा संगठन को मजबूत करने की तैयारी, माले ने रखा 500 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य



नगर कमेटी की बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा, 15 नवंबर को मनाई जाएगी बिरसा मुंडा जयंती

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सिंदरी। भाकपा माले की सिंदरी नगर कमेटी की बैठक सोमवार को बिरसा समिति परिसर में नगर सचिव राजीव मुखर्जी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, युवा भागीदारी बढ़ाने और आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक की शुरूआत पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य एवं संस्थापक सदस्य रहे दिवंगत कामरेड स्वदेश भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। उपस्थित सदस्यों ने एक मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया। वक्ताओं ने कहा कि उनका निधन पार्टी और कम्युनिस्ट आंदोलन के लिए अपूरणीय क्षति है।

बैठक में आगामी 7 नवंबर को नवंबर क्रांति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सिंदरी से पार्टी कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। वहीं, 15 नवंबर को बिरसा समिति परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती समारोहपूर्वक मनाने पर सहमति बनी।

युवा संगठन के विस्तार को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। सिंदरी में इंकलाबी नौजवान सभा का नगर सम्मेलन जल्द आयोजित किया जाएगा। इसके लिए 500 नए युवा सदस्यों को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक में बताया गया कि अब तक 250 सदस्य बनाए जा चुके हैं। सम्मेलन से पहले शेष 250 युवाओं को सदस्य बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में सहदेव सिंह, विमल कुमार रवानी, अमर सिंह, बिरेंची महतो, राजू पांडे, दशरथ ठाकुर, ओमप्रकाश राम, विनोद महतो, शुभम सिंह सहित कई पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धनबाद स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का जायजा, यात्रियों से लिया फीडबैक

मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने खानपान स्टॉलों और ट्रेनों का किया निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (एफएम सह मुदाधि) जफर आजम ने सोमवार को धनबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर रेल जन संवाद कार्यक्रम के माध्यम से यात्रियों से सीधे बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के क्रम में उन्होंने प्लेटफॉर्म पर संचालित खानपान स्टॉलों का जायजा लिया। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, साफ-सफाई और निर्धारित मानकों के पालन की जांच की। उन्होंने स्टेशन परिसर के साथ प्लेटफॉर्म पर खड़ी ट्रेनों में भी यात्रियों से संवाद किया और यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था तथा खानपान सेवाओं को लेकर उनकी राय और सुझाव प्राप्त किए।

मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्टेशन परिसर और ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यवस्थाओं में सुधार के लिए यात्रियों से मिले फीडबैक पर ध्यान देने को भी कहा।

विधानसभा समिति ने धनबाद में विभागीय कामकाज का लिया जायजा, लंबित मामलों पर जताई गंभीरता

सभापति सुरेश पासवान ने अधिकारियों को दिए निर्देश, विधानसभा के प्रश्नों का समयसीमा में जवाब और निष्पादन अनिवार्य

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः विधानसभा की अनागत प्रश्न क्रियान्वयन समिति ने सोमवार को धनबाद पहुंचकर विभिन्न सरकारी विभागों के कार्यों की समीक्षा की। परिसदन में समिति के सभापति सुरेश पासवान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिले के सभी प्रमुख विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में विधानसभा में जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सवालों और उनके अनुपालन की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

समीक्षा के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित प्रश्नों, उनके निष्पादन की स्थिति और अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली गई। सभापति ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि विधानसभा में सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों को गंभीरता से लिया जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े



मुद्दों का समय पर निपटारा करना सरकार और प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। किसी भी विभाग की लापरवाही या अनावश्यक देरी के कारण आम लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने को कहा।

बैठक में विभागवार अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से जुड़े प्रश्नों और उनके अनुपालन की अद्यतन स्थिति समिति के समक्ष प्रस्तुत की। समिति ने संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि जनहित के मामलों को प्राथमिकता देते हुए उनके समाधान में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए।

सभापति ने प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यों की समयबद्धता बनाए रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं और विभागीय कार्यों का वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक पहुंचना चाहिए तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कुमारधुबी में पिकलबॉल को बढ़ावा, दो नए कोर्ट का हुआ शुभारंभ



खिलाड़ियों को मिलेगी बेहतर सुविधा, झारखंड पिकलबॉल एसोसिएशन ने क्लब की पहल को सराहा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिले में खेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कुमारधुबी ने एक नई पहल की है। कुमारधुबी क्लब की ओर से नवनिर्मित पिकलबॉल के दो कोर्ट का उद्घाटन किया गया। इस पहल से क्षेत्र के युवाओं और खेल प्रेमियों को इस उभरते खेल से जुड़ने का बेहतर अवसर मिलेगा।

उद्घाटन समारोह में झारखंड पिकलबॉल एसोसिएशन के सचिव प्रभात कुमार और वरिष्ठ उपाध्यक्ष बी. सुधीर विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि कुमारधुबी में दो नए कोर्ट तैयार होना राज्य में पिकलबॉल के विकास और विस्तार के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी खेल क्षमता निखारने के लिए बेहतर मंच मिलेगा और युवाओं के बीच इस खेल की लोकप्रियता बढ़ेगी।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि कुमारधुबी क्लब की यह पहल झारखंड में पिकलबॉल को नई पहचान दिलाने में मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि खेल के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ाने और नई प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए इस तरह की आधारभूत सुविधाओं का विकास जरूरी है।

इस अवसर पर कुमारधुबी क्लब के सदस्यों ने झारखंड पिकलबॉल एसोसिएशन के साथ जुड़कर खेल के प्रचार-प्रसार और विकास में सक्रिय योगदान देने की इच्छा जताई। एसोसिएशन के सचिव प्रभात कुमार ने क्लब के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर होने वाले ऐसे प्रयास राज्य में इस खेल की मजबूत नींव तैयार करेंगे।

लिलौरी मंदिर रेलवे फाटक पर ट्रेलर की टक्कर से ओवरहेड गार्टर टूटा



पेलोडर लदा ट्रेलर गार्टर में फंसा, तीन घंटे तक बाधित रहा आवागमन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कतरास। राजगंज-कतरास फोरलेन सड़क स्थित लिलौरी मंदिर रेलवे फाटक पर सोमवार की सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। पेलोडर लदे ट्रेलर की टक्कर से रेलवे फाटक पर लगा ओवरहेड गार्टर क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिर पड़ा। गार्टर ट्रेलर में ही फंस गया। गनीमत रही कि इस घटना में चालक, खलासी और आसपास से गुजर रहे राहगीर सुरक्षित बच गए। हालांकि, हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई।

जानकारी के अनुसार, पेलोडर लदा ट्रेलर खड़गपुर से गोविंदपुर जा रहा था। सोमवार सुबह करीब पांच बजे जब वह राजगंज-कतरास फोरलेन से गुजरते हुए लिलौरी मंदिर रेलवे फाटक के पास पहुंचा, तभी ट्रेलर पर लदा पेलोडर ऊपर लगे ओवरहेड गार्टर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गार्टर टूटकर नीचे गिर गया और ट्रेलर में फंस गया।

घटना के बाद रेलवे फाटक पर तैनात गेटमैन ने तत्काल धनबाद रेल कंट्रोल और संबंधित अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था संभाली। करीब तीन घंटे बाद इंस्पेक्टर अजय प्रताप भी घटनास्थल पर पहुंचे। गार्टर को हटाने के लिए हाइड्रा मंगवाया गया। काफी मशक्कत के बाद ट्रेलर में फंसे गार्टर को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद वाहनों का परिचालन सामान्य हो सका।

रात में भी सिंगल पोस्ट से टकराया वाहन

लिलौरी मंदिर रेलवे फाटक के पास सोमवार की रात करीब 11 बजे एक अन्य दुर्घटना हुई। महुदा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे पशुओं से लदे एक अज्ञात वाहन ने फाटक के सिंगल पोस्ट को जोरदार टक्कर मार दी। इससे पोस्ट टूटकर लटक गया और वाहन भी पलट गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को सड़क से हटवाया।

पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभुकों को मिला बाजार और डिजिटल कारोबार का प्रशिक्षण

बलियापुर में एमएसएमई विकास कार्यालय ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और ऑनलाइन बिक्री के बताए गुर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। पारंपरिक हुनर को आधुनिक बाजार से जोड़ने और स्थानीय कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एमएसएमई-विकास कार्यालय, धनबाद की ओर से बलियापुर प्रखंड कार्यालय में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में लाभुकों को उत्पादों की ब्रांडिंग, आकर्षक पैकेजिंग, मार्केटिंग और ऑनलाइन बिक्री की तकनीकों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बलियापुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभाष चन्द्र दास, एलडीएम अमित कुमार, आईपीपीबी के वरिष्ठ प्रबंधक प्रीतम कुमार और प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं सहायक निदेशक सुजीत कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत बढ़ई, लोहार, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, दर्जी, मोची समेत 18 पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े कारीगरों को लाभान्वित किया जा रहा है। स्थानीय शिल्पकारों के उत्पादों को बड़े बाजारों तक



पहुंचाने के लिए बेहतर गुणवत्ता, आकर्षक पैकेजिंग, ब्रांडिंग और प्रभावी प्रचार जरूरी है।

एलडीएम अमित कुमार ने लाभार्थियों को योजना के तहत मिलने वाली रियायती ऋण सुविधाओं और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। वहीं बीडीओ प्रभाष चन्द्र दास ने कारीगरों को आधुनिक तकनीक अपनाकर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने झारखंड सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी ने भी कारीगरों के विकास में सहयोग करने की बात कही।कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। एमएसएमई-डीओ के यंग प्रोफेशनल कुणाल गुलिया ने उत्पादों का मूल्य निर्धारण, पैकेजिंग, लेबलिंग और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़ने के तरीके समझाए।

जिला सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी पूनम कुमारी और आईआरएडी प्रबंधक राजेश कुमार सिंह ने एआई के माध्यम से उत्पादों की ब्रांडिंग एवं प्रचार-प्रसार की तकनीक बताई। अमेजन की विशेषज्ञ फैज मिर्जा और मीशो के सुमित कटियार ने ऑनलाइन कारोबार, उत्पादों की बेहतर प्रस्तुति और डिजिटल कैटलॉग तैयार करने के तरीके बताए। प्रशिक्षक राकेश तिवारी ने सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर पंजीकरण और सरकारी खरीद प्रक्रिया में भागीदारी की जानकारी दी।इस दौरान आईपीपीबी के शाखा प्रबंधक प्रीतम कुमार ने लाभार्थियों को मौके पर ही यूपीआई क्यूआर कोड उपलब्ध कराए, जिससे वे अपने कारोबार में डिजिटल भुगतान की सुविधा अपना सकें।

कार्यक्रम के समापन पर जिला उद्योग केंद्र, धनबाद की जिला समन्वयक कुमारी नीलू ने उद्यम पंजीकरण, पात्रता संबंधी प्रावधानों और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कृषि आंकड़ों के सटीक संकलन पर जोर, 270 अधिकारियों और कर्मियों ने लिया प्रशिक्षण

बीबीएमकेयू में जिलास्तरीय कार्यशाला आयोजित, ऐप से फसल कटनी प्रयोग और डिजिटल डाटा प्रबंधन की दी गई जानकारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। कृषि उत्पादन से जुड़े आंकड़ों को अधिक सटीक, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिला सांख्यिकी कार्यालय की ओर से बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में एक दिवसीय जिलास्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों और अंचलों से करीब 270 पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला में कृषि सांख्यिकी, फसल कटनी प्रयोग तथा डिजिटल तकनीक के माध्यम से आंकड़ों के संकलन और प्रबंधन की प्रक्रिया



समझाई गई। प्रशिक्षण के दौरान कृषि एवं राजस्व विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि कृषि उत्पादन से संबंधित आंकड़ों की विश्वसनीयता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

कार्यक्रम में विशेष रूप से मोबाइल ऐप के माध्यम से फसल कटनी प्रयोग के संचालन और क्रियान्वयन का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को ऐप पर आवश्यक आंकड़े दर्ज करने, फसल कटनी प्रयोग की प्रक्रिया पूरी करने तथा डिजिटल माध्यम से डाटा संग्रह करने की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई गई।

इस अवसर पर शुभम आनंद एवं उनकी सहयोगी टीम ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर जागरूकता सत्र आयोजित किया। इसमें योजना के प्रावधानों और किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी साझा की गई।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य फसल कटनी प्रयोग को प्रभावी बनाना, कृषि उत्पादन के आंकड़ों का सही संकलन एवं संधारण सुनिश्चित करना तथा क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत कर्मियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाना था। अधिकारियों को बताया गया कि सही कृषि आंकड़े तैयार होने से योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और कृषि संबंधी नीतिगत निर्णयों में सहायता मिलती है।

कार्यक्रम में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी उमेश लोहरा, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी राजीव कुमार, राजकुमार, जितेन्द्र प्रसाद सिन्हा, देवेंद्र सिंह, प्रमोद, विपिन दत्ता, अमित और मालती सहित जिला सांख्यिकी कार्यालय के अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

रेलवे कर्मचारियों को प्रीमियम ट्रेनों में उच्च श्रेणी से यात्रा की सुविधा



एआईआरएफ के प्रयास से सुविधा पासधारकों को मिली राहत, किराए का अंतर देकर कर सकेंगे यात्रा

धनबाद। ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) की पहल पर रेलवे कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मियों को यात्रा संबंधी बड़ी राहत मिली है। अब कार्यरत एवं सेवानिवृत्त रेलकर्मी सुविधा पास, सेवानिवृत्ति पास और विधवा पास के माध्यम से अपनी पात्रता से उच्च श्रेणी में निर्धारित किराए का अंतर चुकाकर राजधानी, शताब्दी, दुरंतो और वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेनों में यात्रा कर सकेंगे।

ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन (ईसीआरकेयू) के महामंत्री एसएनपी श्रीवास्तव ने बताया कि ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा के लगातार प्रयासों के बाद रेलवे बोर्ड ने इस सुविधा को फिर से बहाल करने की दिशा में कदम उठाया है। ऑनलाइन टिकट बुकिंग व्यवस्था लागू होने के बाद इस सुविधा पर रोक लग गई थी। अब एआईआरएफ के प्रयास से रेलकर्मियों को यह सुविधा दोबारा मिलने का रास्ता साफ हुआ है।

रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में आवश्यक प्रक्रिया शुरू करने के साथ ही एचआरएमएस और पीआरएस प्रणाली में जरूरी बदलाव करने के निर्देश भी जारी किए हैं। इससे पात्र रेलकर्मियों को प्रीमियम ट्रेनों में अपनी सुविधा के अनुसार उच्च श्रेणी में यात्रा करने का अवसर मिलेगा।

इस उपलब्धि पर एआईआरएफ में ईसीआरकेयू के जोनल सेक्रेटरी ओपी शर्मा तथा ईसीआरकेयू धनबाद मंडल के मीडिया प्रभारी एनके खवास ने ईसीआरकेयू महामंत्री एसएनपी श्रीवास्तव और एआईआरएफ महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा के प्रति आभार जताया है।

3-11-2026 T.P. Page 4_Layout 1 03-11-2026 07:39 Page 1

संक्षिप्त खबरें

ई-कल्याण छात्रवृत्ति भुगतान में देरी के खिलाफ 5 नवंबर को छात्र आंदोलन, मंत्री के इस्तीफे की भी मांग

करमटोली चौक से निकलेगा छात्र मार्च, मोरहाबादी स्थित कल्याण विभाग का होगा घेराव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड में ई-कल्याण छात्रवृत्ति की लंबित राशि के भुगतान को लेकर छात्र संगठनों ने सरकार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया है। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) की ओर से 5 नवंबर को राजधानी रांची में छात्र महाआंदोलन किया जाएगा। इस दौरान छात्र कल्याण मंत्री चमरा लिंडा के इस्तीफे की मांग भी उठाएंगे। सोमवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगठन के नेताओं ने छात्रवृत्ति भुगतान में हो रही देरी को लेकर सरकार और कल्याण विभाग के प्रति नाराजगी जताई।

छात्र नेता अफजल दुरानी ने कहा कि राज्य में शैक्षणिक सत्र 2023-24, 2024-25 और 2025-26 की छात्रवृत्ति राशि अब तक लंबित है। विशेष रूप से 2024-25 सत्र की छात्रवृत्ति का भुगतान करीब दो वर्षों से नहीं हुआ है। वहीं, 2025-26 सत्र की राशि भी विद्यार्थियों को नहीं मिली है। इसके कारण हजारों छात्र-छात्राओं को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि ई-कल्याण छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने का महत्वपूर्ण सहारा है। इसी राशि से छात्र कॉलेज की फीस, नामांकन शुल्क और पढ़ाई से जुड़े अन्य खर्चों का भुगतान करते हैं। छात्रवृत्ति नहीं मिलने के कारण कई विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, जबकि कुछ छात्र आर्थिक तंगी के चलते पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हैं।

अफजल दुरानी ने सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक ओर मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए मिलने वाली छात्रवृत्ति का भुगतान अटका हुआ है। सरकार को विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य को भी गंभीरता से लेना चाहिए।

फेडरेशन के अनुसार, 5 नवंबर को सुबह 10 बजे करमटोली चौक से छात्र मार्च निकाला जाएगा। यह मार्च मोरहाबादी स्थित कल्याण विभाग के कार्यालय पहुंचेगा, जहां प्रदर्शन के बाद विभाग का घेराव किया जाएगा। आंदोलन में राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के शामिल होने की संभावना है।फेडरेशन ने सरकार से सभी लंबित छात्रवृत्ति राशि का अविलंब भुगतान करने, विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करने और कल्याण मंत्री चमरा लिंडा से इस्तीफा देने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।प्रेस कॉन्फ्रेंस में फेडरेशन के रांची जिला अध्यक्ष एहतेशाम परवीन, जिला उपाध्यक्ष जमीर अहमद, जिला सदस्य तेजू मिरधा और सोनू कुमार उपस्थित थे।

14वीं जेपीएससी परीक्षा अनियमितता मामले में सीआईडी की बड़ी कार्रवाई, 10 और आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में कथित गड़बड़ी और पैसे के लेन-देन से जुड़े मामले में सीआईडी ने जांच तेज करते हुए 10 और आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है। यह आरोप पत्र सीआईडी की विशेष अदालत में प्रस्तुत किया गया है। इसमें बुद्धेश्वर भगत और रमेश कुमार समेत कुल 10 लोगों को नामजद किया गया है। इससे पहले मामले में जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष एल. ख्यांगते समेत 12 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। ताजा पूरक आरोप पत्र में सिंडिकेट के सक्रिय सदस्य बुद्धेश्वर भगत और रमेश कुमार के अलावा अभ्यर्थी उमाकांत उरांव, रोशन केरकेट्टा और मनोज कुमार को आरोपी बनाया गया है। वहीं, बिचौलिया धर्मेंद्र कुमार, परीक्षा में गड़बड़ी में शामिल रक्षक सिंह, बिचौलिया अरुण कुमार, दलाल ब्रज कुमार राम और उमेश कुमार के नाम भी शामिल हैं।

जांच एजेंसी के अनुसार, परीक्षा को प्रभावित करने के लिए पैसों का लेन-देन और आपराधिक साठगांठ की गई थी। सीआईडी को इस संबंध में डिजिटल साक्ष्य और वित्तीय लेन-देन से जुड़े प्रमाण भी मिले हैं। जांच में यह बात सामने आई है कि कई अभ्यर्थियों को परीक्षा में पास कराने का भरोसा देकर उनसे लाखों रुपये वसूले गए थे।

आरोपियों पर ओएमआर शीट में हेरफेर करने, अन्य अभ्यर्थियों को आपराधिक सिंडिकेट से जोड़ने और परीक्षा से संबंधित गोपनीय दस्तावेजों तक अवैध पहुंच बनाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में जांच एजेंसी अब तक कुल 34 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

ऊर्जा क्षेत्र में शोध को मिलेगी नई उड़ान, आईआईटी धनबाद और सीएचटी के बीच पांच साल का समझौता

10 शोधार्थियों को एक साथ मिलेगी पीएचडी फेलोशिप, प्रतिमाह 52,500 रुपये के साथ अन्य सुविधाएं भी



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। ऊर्जा क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के विकास और उच्चस्तरीय शोध को प्रोत्साहित करने के लिए आईआईटी आईएसएम धनबाद ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन सेंटर फॉर हाई टेक्नोलॉजी (सीएचटी) के साथ पांच वर्षों का महत्वपूर्ण समझौता किया है। इस साझेदारी के माध्यम से पीएचडी शोध को बढ़ावा देने के साथ उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच तकनीकी सहयोग को नई मजबूती मिलेगी।

गोवा में आयोजित 29वें एनर्जी टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन मीट (ईटीएम-2026) के दौरान एमओयू पर सीएचटी के कार्यकारी निदेशक शंकर गुणशेखरन और आईआईटी आईएसएम धनबाद के डीन (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) प्रो. पार्थसारथी दास ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल, संयुक्त सचिव (गैस) एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी आलोक त्रिपाठी तथा आईआईटी आईएसएम के एसोसिएट डीन (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) प्रो. एजाज अहमद उपस्थित थे। ईटीएम-2026 का उद्घाटन केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने किया।

समझौते के तहत सीएचटी-आईआईटी आईएसएम धनबाद रिसर्च फेलोशिप कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके अंतर्गत एक समय में अधिकतम 10 पीएचडी शोधार्थियों को फेलोशिप प्रदान की जाएगी। प्रत्येक शोधार्थी को प्रतिमाह 52,500 रुपये मिलेंगे। इसके अतिरिक्त नियमानुसार मकान किराया भत्ता (एचआरए), प्रतिवर्ष 20 हजार रुपये का आकस्मिक अनुदान तथा शोध के लिए आवश्यक सामग्री की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

फेलोशिप की अवधि चार वर्ष निर्धारित की गई है। विशेष परिस्थितियों में सीएचटी के कार्यकारी निदेशक की स्वीकृति से इसे एक वर्ष तक बढ़ाया जा सकेगा। इससे शोधार्थियों को ऊर्जा क्षेत्र की महत्वपूर्ण समस्याओं पर लंबे समय तक काम करने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने का अवसर मिलेगा।इस साझेदारी के तहत ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रोलाइजर, फ्यूल सेल, उन्नत बैटरी, ऊर्जा भंडारण, कार्बन कैप्चर, उपयोग एवं भंडारण (सीसीयूएस), कार्बन डाइऑक्साइड से रसायनों का निर्माण, कैटेलिस्ट, पेट्रोकेमिकल्स और स्वच्छ ईंधन जैसे क्षेत्रों में शोध किया जाएगा। इसके अलावा कोयला एवं बायोमास गैसीफिकेशन, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण और डिजिटल तकनीक पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

आईआईटी आईएसएम के डीन प्रो. पार्थसारथी दास ने कहा कि इस सहयोग से उद्योग की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप पीएचडी शोध को प्रोत्साहन मिलेगा। शोधार्थियों को ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान के लिए स्वदेशी तकनीक विकसित करने का अवसर प्राप्त होगा।

समझौते में शोध के दौरान विकसित तकनीकों के बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) की सुरक्षा और उनके व्यावसायिक उपयोग की व्यवस्था भी शामिल की गई है। इससे प्रयोगशालाओं में विकसित नवाचारों को औद्योगिक स्तर पर लागू करने का रास्ता खुलेगा। यह पहल स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी आत्मनिर्भरता और भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

जनता दरबार में उमड़ी फरियादियों की भीड़, उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

भूमि विवाद, गैस सिलेंडर और पेंशन भुगतान से जुड़ी शिकायतें पहुंचीं, 5 किलो का गैस सिलेंडर लेने का दिया सुझाव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । समाहरणालय में सोमवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनसुनवाई एवं जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष रखा। जनसुनवाई में भूमि विवाद, पंजी-2 में सुधार, दाखिल-खारिज, दखल-कब्जा, एलपीजी गैस सिलेंडर की उपलब्धता तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जुड़े मामले प्रमुखता से सामने आए।उपायुक्त ने सभी फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम लोगों की शिकायतों का समाधान निर्धारित समय-सीमा के भीतर होना चाहिए, ताकि उन्हें बार-बार सरकारी कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़े।

गैस सिलेंडर की समस्या पर वैकल्पिक व्यवस्था का सुझाव

जनता दरबार में घरेलू एलपीजी गैस कनेक्शन और सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर भी लोगों ने शिकायत की। इस पर उपायुक्त ने तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर बाजार से पांच किलोग्राम का गैस सिलेंडर लेने का सुझाव दिया। साथ ही संबंधित पदाधिकारियों को गैस आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

बाजार समिति की जमीन पर कब्जे की शिकायत

जनसुनवाई के दौरान सोनाहातू में बाजार समिति की जमीन पर अवैध कब्जे के प्रयास का मामला भी सामने आया। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी को संबंधित भूमि का संरक्षण सुनिश्चित करने और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके अलावा जमीन से जुड़े लंबित मामलों, पंजी-2 में सुधार, दाखिल-खारिज और दखल-कब्जा की शिकायतों के निष्पादन के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया।सामाजिक सुरक्षा के तहत भारत सरकार की इंदिरा गांधी पेंशन योजना से संबंधित शिकायतों पर उपायुक्त ने बताया कि रांची जिले में लगभग 50 प्रतिशत लाभुकों के बैंक खातों में पेंशन राशि भेजी जा चुकी है। शेष लाभुकों को भुगतान में आ रही तकनीकी और अन्य समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन लाभुकों को अब तक राशि नहीं मिली है, उनके खातों में भी आगामी कुछ दिनों में भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने का प्रयास किया जाएगा।

रिम्स में नवजात को मृत बताने के बाद शव नहीं दिखाने पर उठे सवाल, परिजनों ने लगाया बच्चे को गायब करने का आरोप

सदर अस्पताल से रिम्स रेफर हुई थी गर्भवती महिला, अस्पताल प्रबंधन ने कहा- मामला संज्ञान में आने पर होगी जांच

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । राजधानी रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में प्रसव के बाद नवजात को मृत बताने और उसका शव परिजनों को नहीं दिखाने का मामला सामने आया है। अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा बच्चे को मृत पैदा होने की जानकारी दिए जाने के बाद परिजनों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि नवजात को मृत बताने के बावजूद न तो उसका शव दिखाया गया और न ही परिवार को संतोषजनक जानकारी दी गई। इस घटना से आक्रोशित परिजन रिम्स परिसर में जुट गए और अस्पताल प्रबंधन पर बच्चे को गायब करने का आरोप लगाया।



प्राप्त जानकारी के अनुसार, हजारीबाग जिले के इचाक थाना क्षेत्र निवासी रविंद्र कुमार सोमवार को अपनी गर्भवती पत्नी अनीता कुमारी को प्रसव के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद बेहतर इलाज और प्रसव सुविधा के लिए उन्हें रिम्स रेफर कर दिया। इसके बाद रविंद्र अपनी पत्नी को लेकर रिम्स पहुंचे।

परिजनों का कहना है कि रिम्स में चिकित्सकों ने ऑपरेशन के जरिए प्रसव कराने की बात कही थी, लेकिन बाद में महिला का सामान्य प्रसव कराया गया। प्रसव के बाद डॉक्टरों ने बताया कि नवजात मृत पैदा हुआ है। इसके बाद जब परिवार के लोगों ने बच्चे का शव दिखाने और सौंपने की मांग की, तो उन्हें नवजात को देखने तक नहीं दिया गया।परिजनों ने सवाल उठाया कि यदि बच्चा मृत पैदा हुआ था, तो उसका शव परिवार को क्यों नहीं दिखाया गया? उनका कहना है कि सदर अस्पताल में जांच के दौरान बच्चे की स्थिति सामान्य बताई गई थी। इससे पहले कराए गए अल्ट्रासाउंड में भी नवजात को स्वस्थ बताया गया था। ऐसे में अचानक मृत पैदा होने की सूचना और शव नहीं दिखाए जाने से परिवार की आशंका बढ़ गई है।

मामले की जानकारी मिलने के बाद महिला के परिजन रिम्स परिसर में एकत्रित हो गए और पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग करने लगे। वहीं, इस संबंध में रिम्स के सुपरिंटेंडेंट ने बताया कि फिलहाल उनके संज्ञान में ऐसा कोई मामला नहीं आया है। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह की शिकायत सामने आती है, तो पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा की पदयात्रा में कांग्रेस पर बरसे केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव, बोले- हार छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं को बना रही निशाना

मोरहाबादी से बिरसा मुंडा संग्रहालय तक निकली पदयात्रा, एसआईआर के समर्थन में भाजपा नेताओं ने लगाए नारे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल उरांव ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि चुनावी हार से बचने के लिए कांग्रेस लगातार संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रही है। चुनाव जीतकर संसद में अपनी बात रखने के बजाय विपक्ष बाहर मॉक पार्लियामेंट चला रहा है। राहुल गांधी की गतिविधियां वर्ष 1975 के आपातकाल की याद दिलाती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी ईवीएम, कभी सुप्रीम कोर्ट तो कभी चुनाव आयोग को निशाना बनाकर अपनी हार छिपाने का प्रयास करती है।

सोमवार को रांची में भाजपा के ह्यलोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओह्ण अभियान के तहत आयोजित सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 1952 से देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया लगातार मजबूत हुई है। इसके बावजूद कांग्रेस जनादेश स्वीकार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़े कर रही है। उन्होंने दावा किया कि बैलेट पेपर से हुए एमएलसी चुनाव में भी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन पार्टी अपनी हार का ठीकरा चुनाव प्रणाली पर फोड़ रही है।

जुएल उरांव ने विपक्ष पर देश में बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत का लोकतंत्र और यहां के मतदाता मजबूत हैं, इसलिए ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार को भी घेरा। उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना प्रभावी ढंग से संचालित नहीं हो पा रही है और योजना की राशि को लेकर झामुमो तथा कांग्रेस के बीच विवाद की स्थिति बनी रहती है। राज्य सरकार को राजनीतिक बयानबाजी के बजाय जनता की समस्याओं और विकास पर ध्यान देना चाहिए।

मोरहाबादी से बिरसा मुंडा संग्रहालय तक निकली पदयात्रा

इससे पहले भाजपा की ओर से मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से पदयात्रा निकाली गई। यात्रा कचहरी होते हुए जेल मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा संग्रहालय पहुंची। इसमें प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल, प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, जदयू विधायक सरयू राय, विधायक सीपी सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता



शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने एसआईआर के समर्थन और विपक्ष के विरोध में नारे लिखी तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया।

प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि वर्ष 1952 से 2025 के बीच देश में 12 बार एसआईआर की प्रक्रिया पूरी की गई, जिनमें 10 बार कांग्रेस के शासनकाल में यह प्रक्रिया हुई। उस समय कांग्रेस ने इसका विरोध नहीं किया, लेकिन करीब 20 साल बाद अब इसी प्रक्रिया को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एसआईआर के माध्यम से 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाते हैं, मृत मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं और दो स्थानों पर दर्ज नामों में सुधार किया जाता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आदिवासियों के मकान और पहचान की रक्षा के लिए प्रयासरत है, जबकि झामुमो और कांग्रेस मतदाता सूची में कथित बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम बनाए रखना चाहती हैं। उनके अनुसार, इसी वजह से झारखंड के कई गांवों में आदिवासी आबादी अल्पसंख्यक हो गई है।

आदित्य साहू ने कांग्रेस पर साधा निशाना

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि कांग्रेस ने अपने 65 वर्षों के शासनकाल में नेहरू परिवार के हितों को प्राथमिकता दी। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से कांग्रेस असहज है। साहू ने कहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस चुनाव जीतती है, वहां ईवीएम पर सवाल नहीं उठाए जाते, जबकि भाजपा की जीत पर वोट चोरी के आरोप लगाए जाते हैं।

उन्होंने झारखंड की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए। साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिल्ली में मॉक पार्लियामेंट में शामिल हो रहे हैं, जबकि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल हैं। उन्होंने एक थाने में शिकायत लेकर पहुंची महिला के साथ पुलिसकर्मी द्वारा दुष्कर्म और गोड्डा के सुंदरपहाड़ी में एक चर्च के फादर पर आदिवासी युवती से दुष्कर्म के आरोप का भी उल्लेख किया।

बाबूलाल मरांडी ने विपक्ष को घेरा

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वर्ष 2014 से कांग्रेस देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कांग्रेस, राहुल गांधी, वंशवाद और कथित घुसपैठ को देश के लोकतंत्र के सामने चुनौती बताते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दल एसआईआर का विरोध इसलिए कर रहे हैं, ताकि झारखंड की मतदाता सूची से कथित बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के नाम नहीं हटाए जाएं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं और चुनाव प्रक्रिया का विरोध करने वाले लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं।

अर्जुन मुंडा ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि देश में अराजकता फैलाने की कोशिश करने वालों को जनता जवाब दे रही है। भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता का मूल दायित्व राष्ट्र की सेवा करना है। उन्होंने देशभक्ति गीत की पंक्तियां गाकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया और पदयात्रा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

सरयू राय और सीपी सिंह ने भी विपक्ष पर किया हमला

जदयू के वरिष्ठ नेता एवं जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को संसद में अपनी बात रखनी चाहिए, लेकिन विपक्षी नेता बाहर मॉक पार्लियामेंट चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि विरोध की भी एक सीमा और लक्ष्मण रेखा होती है, जिसका पालन सभी राजनीतिक दलों को करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष एसआईआर, समान नागरिक संहिता और घुसपैठियों को देश से बाहर करने जैसे मुद्दों का विरोध कर रहा है।

दीपावली और छठ को लेकर खूंटी प्रशासन अलर्ट, घाटों की सफाई से लेकर सुरक्षा तक की तैयारी तेज

राजा तालाब और साहू तालाब का अधिकारियों ने किया निरीक्षण, गहरे पानी वाले स्थानों पर होगी बैरिकेडिंग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी । दीपावली और छठ महापर्व को स्वच्छ, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए खूंटी जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पर्व के दौरान साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने शहर के प्रमुख छठ घाटों और तालाबों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उपायुक्त मो. जावेद हुसैन के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने प्रसिद्ध राजा तालाब, साहू तालाब सहित अन्य जलाशयों का निरीक्षण किया। इस दौरान घाटों की सफाई, कचरा निस्तारण और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने बताया कि दीपावली और छठ को लेकर प्रशासन ने विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। दीपावली के दौरान निकलने वाले ठोस कचरे का उचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित कर उसके वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण और विघटन की व्यवस्था की जाएगी।

उन्होंने नगर पंचायत को निर्देश दिया कि छठ महापर्व से पहले सभी घाटों की साफ-सफाई समय पर पूरी कर ली जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। दीपावली के बाद पटाखों, दीयों और अन्य पूजा सामग्री से निकलने वाले कचरे का भी अलग-अलग तरीके से निस्तारण किया जाएगा।

गहरे पानी वाले स्थानों पर होगी बैरिकेडिंग

छठ के दौरान तालाबों में डूबने और अन्य दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि तालाबों में गहरे और अधिक पानी वाले स्थानों को चिह्नित किया जा रहा है। ऐसे स्थानों पर बैरिकेडिंग कर श्रद्धालुओं की आवाजाही को नियंत्रित किया जाएगा। इसके अलावा सुरक्षा के लिए गोताखोरों और स्थानीय मछुआरों की तैनाती की भी योजना बनाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के दौरान विशेष सतर्कता बरती जाएगी, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

उपायुक्त ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन, नगर पंचायत और स्थानीय लोगों के सहयोग से दीपावली एवं छठ महापर्व स्वच्छता, सुरक्षा और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होंगे।

संक्षिप्त खबरें

दीपावली और छठ पर रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा होगी सख्त



आरपीएफ और जीआरपी ने बनाई संयुक्त रणनीति

त्योहार के दौरान यात्रियों की भीड़ और छठ के बाद वापसी यात्रा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्णय

गया जी (एजेंसी) : दीपावली एवं छठ पूजा के मद्देनजर रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने को लेकर आरपीएफ एवं जीआरपी के अधिकारियों की संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह और रेल डीएसपी गुलशन कुमार के संयुक्त नेतृत्व में संपन्न हुई।बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़, सुरक्षा व्यवस्था तथा छठ पूजा के बाद यात्रियों की वापसी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने त्योहार के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए रेलवे परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ करने पर जोर दिया।

इस दौरान रेलवे स्टेशन के प्रवेश एवं निकास द्वार, प्लेटफॉर्म, फुट ओवरब्रिज, टिकट काउंटर और यात्री प्रतीक्षालय सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने की रणनीति बनाई गई। ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी संयुक्त रूप से सतर्कता बरतने पर चर्चा हुई।

अधिकारियों ने आरपीएफ और जीआरपी के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से सुरक्षा ड्यूटी करने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा यात्रियों की सहायता के लिए तत्पर रहने की आवश्यकता जताई। खास-ाकर छठ पूजा के बाद महानगरों की ओर लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतने पर बल दिया गया।

बैठक में त्योहार के दौरान चौकसी बढ़ाने और यात्रियों को सुरक्षित एवं सुगम रेल यात्रा उपलब्ध कराने के लिए आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्णय लिया गया।

दीपावली व छठ पर्व पर लुधियाना-गया के बीच चलेगी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

गया जी (एजेंसी) : दीपावली और छठ पर्व के बाद यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे की ओर से लुधियाना और गया के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन संख्या 04664 लुधियाना-गया फेस्टिवल स्पेशल 12 नवंबर को लुधियाना से सुबह 6:30 बजे खुलेगी। यह ट्रेन 10:07 बजे यमुनानगर जगाधरी पहुंचेगी। अगले दिन 2:25 बजे वाराणसी, 4:20 बजे डीडीयू, 5:13 बजे भभुआ रोड, 5:48 बजे सासाराम और 6:08 बजे डेहरी ऑन सोन रुकते हुए सुबह 8 बजे गया जंक्शन पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 04663 गया-लुधियाना फेस्टिवल स्पेशल 13 नवंबर को गया से सुबह 11 बजे खुलेगी। यह ट्रेन 11:58 बजे डेहरी ऑन सोन, 12:18 बजे सासाराम, 12:33 बजे भभुआ रोड और 2 बजे डीडीयू सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन लुधियाना पहुंचेगी। इस ट्रेन के परिचालन से पंजाब और बिहार के बीच सफर करने वाले यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी।

जिले में शुरू होगी 15 नवम्बर से धान की खरीद, किसानों का रजिस्ट्रेशन जारी



शेरघाटी की तीन राइस मिलों का संयुक्त टीम ने किया सत्यापन

गया जी(एजेंसी) : जिले में खरीफ विपणन वर्ष के तहत 15 नवंबर से किसानों से धान की सरकारी खरीद शुरू होगी। इसके लिए जिला स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। अब तक जिले के 2209 किसानों ने धान बेचने के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। जिले के करीब 280 पैक्स के माध्यम से किसानों से धान की खरीद की जाएगी। वहीं खरीदे गए धान से चावल तैयार कराने के लिए जिले की 34 राइस मिलों का निबंधन किया गया है। धान खरीद की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए राइस मिलों का सत्यापन शुरू कर दिया गया है। इसी क्रम में रविवार को बिहार राज्य खाद्य निगम के गया जिला प्रबंधक दिग्विजय सिंह सहित शेरघाटी एसडीओ और जिला सहकारिता पदाधिकारी की संयुक्त टीम ने शेरघाटी की तीन राइस मिलों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान मिलों की उपलब्ध सुविधाओं और चावल तैयार करने की क्षमता की जांच की गई।धान से उसना और अरवा दोनों तरह का चावल तैयार करने वाली मिलों को खरीद प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। इसके लिए संबंधित मिलों का निबंधन और सत्यापन किया जा रहा है ताकि किसानों से खरीदे गए धान का समय पर मिलिंग कराकर चावल बिहार राज्य खाद्य निगम को उपलब्ध कराया जा सके।सरकार ने इस वर्ष साधारण धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान का समर्थन मूल्य 2461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। खरीद शुरू होने से किसानों को अपनी उपज का निर्धारित समर्थन मूल्य मिलने की उम्मीद है। जिला प्रशासन और सहकारिता विभाग की ओर से खरीद व्यवस्था को समय पर पूरा करने की तैयारी की जा रही है।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा की सफलता को लेकर भाजपा की बैठक

दरभंगा,(एजेंसी) : आगामी 5 नवंबर को दरभंगा में आयोजित होने वाली ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा की सफलता को लेकर सोमवार को अलीनगर विधानसभा क्षेत्र के दसौत गांव स्थित राधाकृष्ण मंदिर परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष लाल मुखिया ने की, जबकि संचालन माधव झा आजाद ने किया।बैठक में भाजपा दरभंगा पूर्वी जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान एवं जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष ने पदयात्रा के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विपक्ष द्वारा देश में भ्रम और अराजकता का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है।लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तथा जनता तक सही तथ्यों को पहुंचाने के उद्देश्य से पदयात्रा आयोजित की जा रही है। वहीं, जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने मंडल अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद कर पदयात्रा में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का भागलपुर में भव्य अभिनंदन, बुलडोजर से हुई पुष्पवर्षा

आतिशबाजी, ढोल-नगाड़ों और नारों से गूंजा शहर, ह-वाई अड्डे से लाजपत पार्क तक दिखा उत्साह

- उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी भी रहे मौजूद, प्रश-ासन ने किए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम



भागलपुर (एजेंसी) : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद पहली बार भागलपुर पहुंचे नितिन नवीन का पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। हवाई अड्डे से लेकर लाजपत पार्क तक जगह-जगह अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किए गए। फूलों की वर्षा, ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच पूरा शहर उत्सवी माहौल में नजर आया।

स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बना। कई स्थानों पर बुलडोजर के जरिए उनके काफिले पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गईं। वहीं, विभिन्न स्थानों पर फूल-मालाओं, गुलदस्तों और शॉल भेंटकर उनका अभिनंदन किया गया। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

हवाई अड्डे पर हुआ औपचारिक स्वागत

नितिन नवीन सुबह हेलीकॉप्टर से भागलपुर हवाई अड्डे पहुंचे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद थे। जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने पौधा भेंटकर उनकी अगवानी की। इसके बाद भाजपा और जदयू के स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने शॉल ओढ़ाकर तथा फूल-मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया।

हवाई अड्डे के वीआईपी लाउंज में कुछ देर रुकने के बाद उनका काफिला निर्धारित कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुआ। बाहर निकलते ही स्वागत का सिलसिला तेज हो गया। बुलडोजरों से लगातार पुष्पवर्षा की गई और आतिशबाजी के बीच कार्यकर्ताओं ने नारे लगाकर अपनी खुशी जाहिर की।

तिलकामांझी और आदमपुर होते हुए पहुंचे लाजपत पार्क

हवाई अड्डे से निकला काफिला तिलकामांझी और आदमपुर होते हुए लाजपत पार्क पहुंचा। रास्ते में कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। लाजपत पार्क में भी बड़ी संख्या में पार्टी समर्थकों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिनंदन किया।

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन और वीवीआईपी प्रोटोकॉल को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं की निगरानी की, जबकि एसएसपी प्रमोद कुमार यादव सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रहे। सदर एसडीएम सुनील कुमार, एडीएम राकेश रंजन समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर तैनात रहे।

पीएम श्री नवोदय विद्यालय कोलासी में जिला स्तरीय युवा कला उत्सव का भव्य आयोजन, लोककला व प्रतिभाओं का दिखा संगम



कटिहार, (एजेंसी) : पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, कोलासी के बहुउद्देशीय सभागार में सोमवार को जिला स्तरीय युवा कला उत्सव-2026 का गरिमामय आयोजन किया गया। कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार तथा जिला प्रशासन कटिहार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस उत्सव में जिले की युवा प्रतिभाओं, समृद्ध लोकपरंपरा और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा परंपरागत रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।उत्सव के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आईं छात्राओं और युवाओं ने लोकनृत्य, लोकगीत और नुक्कड़ नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक स्पधाओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से बिहार की समृद्ध लोकसंस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को मंच पर जीवंत कर दिया, जिसे देखकर सभागार में मौजूद दर्शक व अतिथि भावविभोर हो गए।प्रतियोगिताओं में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा और शानदार कला का प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं को मंचासीन अतिथियों ने प्रशस्ति पत्र और पु-रस्कार देकर सम्मानित किया। सम्मान पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे। अतिथियों ने छात्राओं के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से युवा कलाकारों को अपनी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने और जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने का संबल मिलता है।समारोह में मुख्य रूप से बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह कटिहार सदर विधायक तारकिशोर प्रसाद, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) डॉ. नेहा कुमारी, कोढ़ा विधायक कविता पासवान, जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह, नगर निगम महापौर उषा अग्रवाल, कला एवं संस्कृति विभाग की जिला प्राधिकारी रीना कुमारी तथा जेएनवी प्राचार्य डॉ. हरे राम कुमार उपस्थित रहे।

बिजली का तार काटकर कवर जला रहे थे दो युवक, ग्रामीणों ने रंगे हाथों पकड़ा

वैशाली, (एजेंसी) : वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र में बिजली का तार चोरी करने का मामला सामने आया है। छह लाइन 67 पैया के पास ग्रामीणों ने दो युवकों को एल्युमिनियम-कॉपर तार काटकर उसका कवर जलाते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। पकड़े गए दोनों युवकों की पहचान मधुरापुर निवासी विकास कुमार और रोशन कुमार के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने दोनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, 1 नवंबर 2026 को दिन के समय विकास कुमार और रोशन कुमार छह लाइन 67 पैया के ऊपर से एल्युमिनियम-कॉपर तार काट रहे थे। तार काटने के बाद दोनों उसे पैया के नीचे ले गए और उसका बाहरी कवर जलाने लगे। इसी दौरान आसपास के ग्रामीणों की नजर दोनों युवकों पर पड़ गई। संदेह होने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों को पकड़ लिया। दोनों युवकों को पकड़ने के बाद ग्रामीणों ने उनसे पूछताछ की। इस दौरान आरोपियों ने गांव में पहले हुई चोरी की कुछ घटनाओं के संबंध में भी जानकारी दी। ग्रामीणों का दावा है कि पूछताछ के दौरान दोनों ने कथित तौर पर चोरी की अन्य घटनाओं में शामिल लोगों के नाम भी बताए।

सारण में खेत बचाओ अभियान का आयोजन, कृषि मंत्री ने प्राकृतिक खेती और मृदा संरक्षण पर दिया विशेष जोर

सारण,(एजेंसी) : जिले के भिखारी ठाकुर प्रेक्षा गृह में खेत बचाओ अभियान-सह-कृषि जन कल्याण संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारे परिवार का स्वास्थ्य सीधे हमारी मिट्टी के स्वास्थ्य से जुड़ा है। उपजाऊ और पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी ही शुद्ध, पौष्टिक भोजन और स्वस्थ समाज का आधार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप यह अभियान धरती की उर्वरता बचाने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का बड़ा संकल्प है।स्कूल स्तर पर मृदा स्वास्थ्य के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक करने के लिए कृषि मंत्री ने घोषणा की कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में बिहार के सभी 38 जिलों के 629 पीएम श्री एवं राजकीय विद्यालयों में मिनी मिट्टी जाँच प्रयोगशालाएँ स्थापित की जाएँगी। इनमें से 160 विद्यालयों में यह सुविधा पहले ही स्थापित हो चुकी है।इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देते हुए उन्होंने बताया कि खरीफ मौसम में राज्यभर में 7,275 किसान बैठकों के जरिए 6,19,436 किसानों जिनमें 2,12,610 महिलाएँ शामिल हैं को जोड़ा गया। वहीं आगामी रबी मौसम 2026-27 में सभी 534 प्रखंडों में विशेष शिविर लगाकर 15 से 16 लाख किसानों तक सीधे पहुँचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पूर्व मध्य रेलवे पर राजभाषा हिंदी से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन





हाजीपुर (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय हाजीपुर के द्वारा क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 88 वीं बैठक डिम्पी गर्ग, महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री गर्ग ने कहा कि इस रेल पर महाप्रबंधक का कार्य संभालने के बाद यह उनकी पहली बैठक है,इससे मुझे खुशी का अनुभव हो रहा है । उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि पूर्व मध्य रेल ह्यकह्ल क्षेत्र में स्थित होने के कारण यहां अधिकांश कार्य हिंदी में ही होता है फिर भी राजभाषा से संबंधित अनुदेशों का अनुपालन दृढ़तापूर्वक किए जाने की आवश्यकता है। यदि अधिका-रीगण छोटे-छोटे आदेश/टिप्पणी हिंदी में लिखें तो हिंदी के प्रयोग-प्रसार की दिशा में एक सकारात्मक माहौल बनेगा और इससे अधीनस्थ कर्मचारी भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे।उन्होंने कहा की सभी अपना दैनिक कामकाज हिंदी में करें।सरल और सहज शब्दों का प्रयोग करें, क्योंकि भाषा प्राथमिक रूप से अभिव्यक्ति और संवाद का माध्यम है। एक टीम के रूप में कार्य करते हुए हम यह सुनिश्चित करें कि धारा 3 (3) समेत राजभाषा के सभी मानक निदेशों का अनुपालन कड़ाई से किया जाए तभी बैठक की सार्थकता सिद्ध होगी।

इस अवसर पर राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए परिचालन विभाग को महाप्रबंधक के द्वारा अंतर्विभागीय राजभाषा चल शील्ड प्रदान किया गया। इसे इन्दु रानी दुबे, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ने प्राप्त किया। महाप्रबंधक के द्वारा ह्यवैशालीह्न पत्रिका के अंक-31 का लोकार्पण किया गया। उल्लेखनीय है कि यह बैठक सितंबर-2026 को समाप्त तिमाही की समीक्षा करने के लिए आयोजित की गई थी। राजभाषा प्रयोग-प्रसार के इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में पूर्व मध्य रेल के मंडलों, कारखानों आदि के उच्च अधिकारी उपस्थित थे, उन्होंने अपने विभागों, मंडलों आदि में राजभाषा के प्रचार-प्रसार की स्थिति के संबंध में समिति को अवगत कराया। श्रीमती सविता गेडाम, मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर ने कहा कि पूर्व मध्य रेल ह्यकह्ल क्षेत्र में स्थित है, इसलिए यहां अधिकांश कार्य स्वाभाविक रूप से हिंदी में ही होना चाहिए।आवश्यकता है दृढ़ इच्छाशक्ति की।ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं जहाँ और अधिक प्रयास करके हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।हमारा दायित्व है कि संघ की राजभाषा नीति के अनुरूप सभी कामकाज शत-प्रतिशत हिंदी में किए जाएं।बैठक का संचालन करते हुए उप महाप्रबंधक (राजभाषा) केशव त्रिपाठी ने कहा कि राजभाषा का प्रचार-प्रसार आपसी सहयोग से ही संभव हो सकता है. मुख्य राजभाषा अधिकारी के मार्गदर्शन और महाप्रबंधक के संरक्षण में राजभाषा विभाग हिंदी के प्रयोग-प्रसार को गति प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। बैठक के अंत में धन्यवाद ज्ञापन अनिल कुमार शर्मा, राजभाषा अधिकारी के द्वारा दिया गया।

सहरसा, दरभंगा, पूर्णिया, गया एवं कोलकाता स्टेशनों से लुधियाना के लिए फेस्टिवल स्पेशल का होगा परिचालन



हाजीपुर (एजेंसी) : आगामी दीपावली एवं छठ पर्व के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए तथा यात्रियों की सुगम व आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी क्रम में लुधियाना और पूर्व मध्य रेल के सहरसा, दरभंगा, पूर्णिया एवं गया स्टेशनों के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है।गाड़ी संख्या 04656/04655 लुधियाना-सहरसा-लुधियाना फेस्टिवल स्पेशल (मानसी-बरौनी-हाजीपुर-गोरखपुर-मुरादाबाद-यमुनानगर जगाधरी-अम्बाला कैंट के रास्ते) - गाड़ी सं. 04656 लुधियाना-सरहसा फेस्टिवल स्पेशल लुधियाना से 06, 09 एवं 11 नवंबर को लुधियाना से 17.35 बजे खुलकर 20.33 बजे यमुनानगर जगाधरी, अगले दिन 12.40 बजे गोरखपुर, 18.00 बजे हाजीपुर, 20.50 बजे बरौनी रुकते हुए 23.50 बजे सहरसा पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 04655 सहरसा-लुधियाना फेस्टिवल स्पेशल 08, 11 एवं 13 नवंबर को सहरसा से 03.50 बजे खुलकर 05.30 बजे बरौनी, 07.55 बजे हाजीपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 08.35 बजे लुधियाना पहुंचेगी ।

गाड़ी संख्या 04662/04661लुधियाना-दरभंगा-लुधियाना फेस्टिवल स्पेशल (समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर- हाजीपुर-गोरखपुर-मुरादाबाद-यमुनानगर जगाधरी-अम्बाला कैंट के रास्ते) - गाड़ी सं. 04662 लुधियाना- दरभंगा फेस्टिवल स्पेशल लुधियाना से 07, 10 एवं 11 नवंबर को लुधियाना से 06.30 बजे खुलकर 10.07 बजे यमुनानगर जगाधरी, अगले दिन 00.50 बजे गोरखपुर, 05.55 बजे हाजीपुर, 06.55 बजे मुजफ्फरपुर, 08.00 बजे समस्तीपुर रुकते हुए 10.00 बजे सहरसा पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 04661 दरभंगा-लुधियाना फेस्टिवल स्पेशल 08, 11 एवं 12 नवंबर को दरभंगा से 13.00 बजे खुलकर 14.10 बजे समस्तीपुर, 15.35 बजे मुजफ्फरपुर, 16.35 बजे हाजीपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 17.10 बजे लुधियाना पहुंचेगी । गाड़ी संख्या 04660/04659 लुधियाना-पूर्णिया-लुधियाना फेस्टिवल स्पेशल (सहरसा-मानसी- बरौनी- हाजीपुर-गोरखपुर-मुरादाबाद-यमुनानगर जगाधरी- अम्बाला कैंट के रास्ते) - गाड़ी सं. 04660 लुधियाना-पूर्णिया फेस्टिवल स्पेशल लुधियाना से 05 एवं 09 नवंबर को लुधियाना से 12.00 बजे खुलकर 15.00 बजे यमुनानगर जगाधरी, अगले दिन 06.50 बजे गोरखपुर, 12.25 बजे हाजीपुर, 15.20 बजे बरौनी, 19.20 बजे सहरसा रुकते हुए 21.30 बजे पूर्णिया पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 04659 पूर्णिया-लुधियाना फेस्टिवल स्पेशल 06 एवं 10 नवंबर को पूर्णिया से 23.30 खुलकर अगले दिन 01.10 बजे सहरसा, 03.25 बजे बरौनी, 05.15 बजे हाजीपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए तीसरे दिन 06.50 बजे लुधियाना पहुंचेगी । गाड़ी संख्या 04664/04663 लुधियाना-गया-लुधियाना फेस्टिवल स्पेशल (डीडीयू-वाराणसी - आलमनगर- मुरादाबाद- यमुनानगर जगाधरी-अम्बाला कैंट के रास्ते) - गाड़ी सं. 04664 लुधियाना-गया फेस्टिवल स्पेशल लुधियाना से 12 नवंबर को लुधियाना से 06.30 बजे खुलकर 10.07 बजे यमुनानगर जगाधरी, अगले दिन 02.25 बजे वाराणसी, 04.20 बजे डीडीयू, 05.13 बजे भभुआ रोड, 05.48 बजे सासाराम, 06.08 बजे डेहरी ऑन सोन रुकते हुए 08.00 बजे गया पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 04663 गया-लुधियाना फेस्टिवल स्पेशल 13 नवंबर को गया से 11.00 बजे खुलकर 11.58 बजे डेहरी ऑन सोन, 12.18 बजे सासाराम, 12.33 बजे भभुआ रोड, 14.00 बजे डीडीयू सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 12.50 बजे लुधियाना पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 04666/04665 लुधियाना-कोलकाता-लुधियाना फेस्टिवल स्पेशल (झाझा-किउल-बरौनी-समस्तीपुर-हाजीपुर-गोरखपुर-मुरादाबाद-यमुनानगर जगाधरी-अम्बाला कैंट के रास्ते) - गाड़ी सं. 04666 लुधियाना-कोलकाता फेस्टिवल स्पेशल लुधियाना से 06 नवंबर को लुधियाना से 06.30 बजे खुलकर 10.07 बजे यमुनानगर जगाधरी, अगले दिन 05.55 बजे हाजीपुर, 06.55 बजे मुजफ्फरपुर, 08.00 बजे समस्तीपुर, 09.55 बजे बरौनी, 11.15 बजे किउल सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए 21.45 बजे कोलकाता पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 04665 कोलकाता-लुधियाना फेस्टिवल स्पेशल 07 नवंबर को कोलकाता से 23.50 बजे खुलकर दूसरे दिन 07.10 बजे झाझा, 07.55 बजे किउल, 09.10 बजे बरौनी, 10.45 बजे समस्तीपुर, 11.50 बजे मुजफ्फरपुर, 12.50 बजे हाजीपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए तीसरे दिन 12.50 बजे लुधियाना पहुंचेगी ।गाड़ी संख्या 04528/04527 सरहिंद-सहरसा-अम्बाला कैंट अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल (खगड़िया-बरौनी-समस्तीपुर-हाजीपुर-गोरखपुर-मुरादाबाद-यमुनानगर जगाधरी-अम्बाला कैंट के रास्ते) - गाड़ी सं. 04528 सरहिंद-सहरसा अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल सरहिंद से 05, 09 एवं 12 नवंबर को सरहिंद से 11.25 बजे खुलकर अगले दिन 09.40 बजे हाजीपुर, 10.35 बजे मुजफ्फरपुर, 11.40 बजे समस्तीपुर, 12.45 बजे बरौनी सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए 17.00 बजे सहरसा पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 04527 सरहसा-अम्बाला कैंट अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल 06, 10 एवं 13 नवंबर को सहरसा से 19.15 बजे खुलकर 20.55 बजे खगड़िया, 21.50 बजे बरौनी, 23.15 बजे समस्तीपुर, अगले दिन 00.20 बजे मुजफ्फरपुर, 01.20 बजे हाजीपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए 22.20 बजे अम्बाला कैंट पहुंचेगी ।

संपादकीय

लोकतंत्र की साख पर सियासी संग्राम, सत्ता और विपक्ष आमने-सामने

भारतीय लोकतंत्र आज एक ऐसे राजनीतिक दौर से गुजर रहा है, जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही लोकतंत्र की रक्षा का दावा करते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। एक ओर 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली हुई, तो दूसरी ओर भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत देशभर में जवाबी कार्यक्रम आयोजित किए। यह टकराव केवल राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अब देश की संवैधानिक संस्थाओं और चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता से भी जुड़ गया है।

रामलीला मैदान में आयोजित विपक्ष की रैली की खास बात यह रही कि इसमें 21 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक मंच साझा किया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राजद और वामपंथी दलों सहित विभिन्न राजनीतिक संगठनों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और चुनाव प्रक्रिया में कंप्यूटर तथा तकनीकी माध्यमों के जरिए हेरफेर की गई है। इन आरोपों के केंद्र में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार हैं।

इस रैली में केवल राजनीतिक दलों के नेता ही शामिल नहीं हुए, बल्कि सामाजिक संगठनों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों, युवाओं और उन मतदाताओं ने भी भाग लिया, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का दावा किया गया है। इससे पहले 31 अक्टूबर को आयोजित प्रतीकात्मक जन संसद में भी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ छह आरोपों को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया था। विपक्ष की प्रमुख मांग है कि ज्ञानेश कुमार को पद से हटाया जाए और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कराई जाए। इस विवाद की पृष्ठभूमि में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठे सवाल महत्वपूर्ण हैं। इंडियन एक्सप्रेस की एक पड़ताल के अनुसार, 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की प्रारूप मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए गए। इस पूरी प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग के भीतर भी मतभेद सामने आने की खबरें आई हैं। अखबार की रिपोर्ट में आयोग के दो अन्य आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से दर्ज कराई गई 14 लिखित आपत्तियों का उल्लेख किया गया है। यदि किसी संवैधानिक संस्था के भीतर ही निर्णय लेने की प्रक्रिया को लेकर असहमति सामने आती है, तो उसकी पारदर्शिता और कार्यशैली पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

रामलीला में अखिलेश की हुंकार, यूपी में गठबंधन की एकता पर सवाल!

दिल्ली के रामलीला मैदान से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा के खिलाफ ऐसी हुंकार भरी है, जिसकी असली परीक्षा अब उत्तर प्रदेश में होगी। एक नवंबर को इंडिया गठबंधन की महारैली में विपक्षी नेताओं ने एक मंच पर खड़े होकर चुनावी व्यवस्था, कथित वोट चोरी और भाजपा की राजनीति पर हमला बोला। अखिलेश ने दावा किया कि 2027 में उत्तर प्रदेश से भाजपा की विदाई होगी। उन्होंने यहां तक कहा कि यूपी के लोग स्वागत अच्छा करते हैं तो विदाई उससे भी बेहतर करते हैं। उनके इस बयान ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। मगर सवाल यह है कि जो विपक्ष दिल्ली के रामलीला मैदान में एकजुट दिखाई दिया, क्या वह लखनऊ पहुंचते-पहुंचते भी अपनी एकजुटता बचा पाएगा? क्योंकि भाजपा को सत्ता से हटाने की लड़ाई में सबसे बड़ा रोड़ा विपक्ष की अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं बन सकती हैं।अखिलेश यादव ने अपने भाषण में उत्तर प्रदेश को बदलाव की राजनीति का केंद्र बताया। उन्होंने रामलीला मैदान को लोकतंत्र की हल्दीघाटी बताते हुए कहा कि परिवर्तन का संदेश यहीं से निकलेगा। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिनकी जमीन ही नहीं बची, वे पैर कहां रखेंगे। उनका इशारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अंगद के पैर वाले बयान की तरफ था।अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम कटने संबंधी बयान को भी राजनीतिक हथियार बनाया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर यह आंकड़ा कहां से आया और इसकी जानकारी किस आधार पर दी गई? उनका कहना था कि जब सरकार के मुखिया ही इतने बड़े आंकड़े की बात कर रहे हैं तो इस सवाल पर विपक्ष की आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता।हालांकि मतदाता सूची में नाम कम होने और कथित वोट चोरी के आरोपों को एक ही तथ्य मानना उचित नहीं है। नाम हटने की वजह, पात्र मतदाताओं की स्थिति और निर्वाचन प्रक्रिया के आधिकारिक आंकड़ों की जांच जरूरी है। विपक्ष को अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण भी सामने रखने होंगे।

अखिलेश यादव की राजनीतिक आक्रामकता के पीछे 2024 के लोकसभा चुनाव का परिणाम है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में समाजवादी पार्टी ने 37 और कांग्रेस ने छह सीटें जीती थीं। दोनों दलों का संयुक्त आंकड़ा 43 सीटों तक पहुंच गया था। भाजपा 33 सीटों पर सिमट गई थी। यह परिणाम इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि उत्तर प्रदेश लंबे समय से भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति का सबसे मजबूत आधार बना हुआ है।सपा ने पहली बार प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दौरान इतनी बड़ी राजनीतिक बढ़त हासिल की। अखिलेश ने अपने पीडीए समीकरण को चुनावी परिणाम में बदलकर दिखाया। कांग्रेस को भी गठबंधन से नई राजनीतिक ताकत मिली। यही वजह है कि दोनों दल अब 2027 के विधानसभा चुनाव को सत्ता परिवर्तन के बड़े अवसर के रूप में देख रहे हैं।लेकिन 2024 की जीत को 2027 की जीत की गारंटी समझना सबसे बड़ी राजनीतिक भूल होगी। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के मुद्दे अलग होते हैं। स्थानीय उम्मीदवार, जातीय समीकरण, संगठन की सक्रियता और सरकार के कामकाज का असर विधानसभा चुनाव में कहीं अधिक दिखाई देता है।उत्तर प्रदेश की विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं और बहुमत के लिए 202 सीटों की जरूरत होती है। 2022 के चुनाव में भाजपा ने अकेले 255 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। समाजवादी पार्टी 111 सीटों तक पहुंची थी। कांग्रेस को केवल दो सीटें मिली थीं। भाजपा के सहयोगियों को मिलाकर एनडीए की संख्या 273 तक पहुंच गई थी।इन आंकड़ों से साफ है कि विपक्ष को सत्ता तक पहुंचने के लिए अपनी पिछली स्थिति से काफी आगे जाना होगा। 2024 में लोकसभा की 43 सीटें जीतना बड़ी उपलब्धि जरूर है, लेकिन विधानसभा की 202 सीटों का लक्ष्य हासिल करने के लिए विपक्ष को हर क्षेत्र में मजबूत उम्मीदवार और भरोसेमंद संगठन चाहिए।भाजपा को हराने के लिए केवल नाराजगी का माहौल बनाना काफी नहीं होगा। जनता को यह भी भरोसा देना होगा कि सत्ता मिलने पर सरकार किस दिशा में काम करेगी।गठबंधन की सबसे कठिन परीक्षा सीटों के बंटवारे में होगी। कांग्रेस 2024 के प्रदर्शन के बाद उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है। पार्टी की नजर उन सीटों पर है जहां उसका पुराना जनाधार और मजबूत उम्मीदवार मौजूद हैं। दूसरी तरफ सपा खुद को प्रदेश की सबसे बड़ी विपक्षी ताकत मानती है।मई 2026 में सामने आए राजनीतिक घटनाक्रम के अनुसार कांग्रेस ने 100 से 125 सीटों पर मजबूत उम्मीदवार तैयार करने की रणनीति बनाई थी। वहीं सपा सीटों की संख्या के बजाय जीतने की संभावना को प्राथमिकता देने की बात कहती रही है। दोनों दलों के बीच अंतिम सीट समझौता अभी होना बाकी है।यहीं से गठबंधन की असली परेशानी शुरू होती है। कांग्रेस को ज्यादा सीटें मिलती हैं तो सपा के स्थानीय नेताओं की नाराजगी बढ़ सकती है। सपा ज्यादा सीटें अपने पास रखती है तो कांग्रेस के कार्यकताओं में असंतोष पैदा हो सकता है। दोनों दलों के सामने अपने-अपने राजनीतिक आधार को बचाने की चुनौती है।2017 का अनुभव भी सामने है। उस समय सपा और कांग्रेस ने मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा था। कांग्रेस को 105 सीटें दी गई थीं, लेकिन पार्टी केवल सात सीटें जीत सकी थी। सपा को भी सत्ता से बाहर होना पड़ा था। 2022 में दोनों दल अलग-अलग लड़े और कांग्रेस दो सीटों पर सिमट गई। ऐसे में दोनों को समझना होगा कि गठबंधन की मजबूती केवल सीटों की संख्या से नहीं, बल्कि सही उम्मीदवार और जमीनी तालमेल से तय होती है।

अखिलेश यादव की राजनीति का सबसे बड़ा आधार पीडीए है। पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों को एक राजनीतिक मंच पर लाने की उनकी कोशिश ने 2024 में सपा को बड़ी सफलता दिलाई। मगर 2027 में इस समीकरण को बनाए रखना आसान नहीं होगा।कांग्रेस का अपना सामाजिक आधार है। सपा का अपना संगठन और मतदाता वर्ग है। छोटे सहयोगी दल भी अपनी हिस्सेदारी चाहते हैं। ऐसे में अखिलेश को सबको साथ लेकर चलना होगा। केवल बड़े नेताओं की संयुक्त तस्वीर से मतदाता एक साथ नहीं आते। इसके लिए गांवों, कस्बों और बूथों तक साझा अभियान चलाना होगा।बसपा प्रमुख मायावती की राजनीति भी इस समीकरण को प्रभावित कर सकती है। दलित मतदाताओं के बीच बसपा का प्रभाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इसलिए सपा और कांग्रेस को यह समझना होगा कि दलित मतदाताओं का समर्थन केवल नारों से नहीं, भरोसे और राजनीतिक भागीदारी से हासिल होगा।भाजपा को विपक्ष की एकजुटता से राजनीतिक चुनौती जरूर मिलेगी, लेकिन उसे कमजोर समझना विपक्ष की बड़ी भूल होगी। भाजपा के पास प्रदेशव्यापी संगठन, बूथ स्तर तक कार्यकताओं का नेटवर्क और सरकार का अनुभव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पार्टी पहले से चुनावी तैयारी में जुटी है।विपक्ष को महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था जैसे सवालों पर सरकार को घेरना होगा। साथ ही यह भी बताना होगा कि सत्ता में आने पर वह इन समस्याओं का समाधान कैसे करेगा।रामलीला मैदान में अखिलेश यादव ने भाजपा को चुनौती देने का ऐलान कर दिया है। लेकिन अब उन्हें अपने सहयोगियों को साथ रखने, सीटों का विवाद सुलझाने और कार्यकताओं को एकजुट करने का कठिन काम करना होगा। 2027 की लड़ाई में अखिलेश यादव के पास 2024 का आत्मविश्वास है, लेकिन भाजपा के पास 2022 की सत्ता और मजबूत संगठन है। कांग्रेस के सामने अपनी राजनीतिक जमीन बढ़ाने का अवसर है, जबकि सपा के सामने प्रदेश में अपनी सबसे बड़ी विपक्षी ताकत की पहचान बचाए रखने की चुनौती है।रामलीला मैदान में विपक्ष ने भाजपा के खिलाफ आवाज बुलंद कर दी है। मगर दिल्ली में हाथ उठाकर एकता दिखाना और उत्तर प्रदेश की 403 सीटों पर एक साथ चुनाव लड़ना दो अलग-अलग बातें हैं। अगर सीटों की खींचतान, नेतृत्व की महत्वाकांक्षा और स्थानीय गुटबाजी हावी हुई तो यह एकता चुनाव से पहले ही कमजोर पड़ सकती है।अखिलेश यादव को अब केवल भाजपा की विदाई का नारा नहीं देना है, बल्कि अपने सहयोगियों को यह भरोसा भी दिलाना है कि गठबंधन में सबकी राजनीतिक हिस्सेदारी सुरक्षित रहेगी। क्योंकि उत्तर प्रदेश की सत्ता का रास्ता रामलीला मैदान से नहीं, बल्कि उन हजारों बूथों से होकर गुजरता है जहां मतदाता अपना फैसला सुनाता है। 2027 में भाजपा की विदाई होगी या विपक्ष की एकता की परीक्षा में फिर दरार पड़ेगी, इसका जवाब नारों से नहीं, जमीन पर किए गए काम से मिलेगा।

अजय कुमार,

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उत्तम पुरुषों की संपत्ति का मुख्य प्रयोजन यही है कि औरों की विपत्ति का नाश हो।

:रहीम

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।

: तुलसीदास

आजम की कैद में अखिलेश की सियासत, ओवैसी के लिए खुला मैदान

रामपुर जेल का दरवाजा खुला तो आजम खान ने बाहर की हवा में सांस लेने की उम्मीद की होगी, लेकिन आजादी की यह सुबह महज कुछ मिनटों की मेहमान निकली। जेल से बाहर आते ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जिस नेता की रिहाई को समाजवादी पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अपने मुस्लिम नेतृत्व की ताकत दिखाने के अवसर के रूप में देख सकती थी, वह फिर सलाखों के पीछे पहुंच गया। एक ही घटनाक्रम में सपा के सामने तीन सवाल खड़े हो गए हैं। आजम खान की गैरमौजूदगी में रामपुर की राजनीति किसके इर्द-गिर्द घूमेगी? मुस्लिम नेतृत्व के सवाल पर अखिलेश यादव ओवैसी को क्या जवाब देंगे? और क्या सपा अपने सबसे पुराने मुस्लिम राजनीतिक चेहरों में से एक के साथ खड़े होने का भरोसा कायम रख पाएगी? आजम खान की गिरफ्तारी को केवल एक कानूनी घटनाक्रम मानकर छोड़ देना उत्तर प्रदेश की राजनीति के एक महत्वपूर्ण पहलू को नजरअंदाज करना होगा। 31 अक्टूबर 2026 को दो पैन कार्ड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम रामपुर जेल से बाहर आए। लेकिन आजम की रिहाई के तुरंत बाद ईडी ने जौहर ट्रस्ट से जुड़े धनशोधन मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एक नवंबर को गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। यानी जिस रिहाई को राजनीतिक वापसी की शुरूआत माना जा रहा था, वह फिर कानूनी लड़ाई में बदल गई।

इस मामले में 494.46 करोड़ रुपये और 78.32 करोड़ रुपये के बीच का अंतर सबसे महत्वपूर्ण है। जिला मूल्यांकन अधिकारी की रिपोर्ट के मुताबिक, जौहर विश्वविद्यालय की 59 इमारतों के निर्माण की लागत 494.46 करोड़ रुपये आंकी गई। दूसरी तरफ जौहर ट्रस्ट ने आयकर रिकॉर्ड में वित्त वर्ष 2013-14 से 2024-25 के दौरान 78.32 करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च दिखाया। ईडी के मुताबिक, दोनों आंकड़ों के बीच 416.14 करोड़ रुपये का अंतर है, जिसका संतोषजनक हिसाब नहीं मिला। एजेंसी ने सरकारी धन के कथित इस्तेमाल और वित्तीय लेनदेन की भी जांच की है। हालांकि, यह जांच एजेंसी के आरोप हैं, इन्हें अदालत में साबित होना बाकी है। आरोपों को ही अंतिम फैसला मान लेना न्यायिक प्रक्रिया के साथ अन्याय होगा। आजम खान का राजनीतिक महत्व समझने के लिए उनके चुनावी सफर पर नजर डालना जरूरी है। वह रामपुर से दस बार विधायक चुने गए। चार बार मंत्री रहे और दो बार लोकसभा पहुंचे। 1980 में पहली बार विधानसभा पहुंचे आजम खान ने चार दशक से अधिक समय तक रामपुर की राजनीति में अपनी मौजूदगी बनाए रखी। मुलायम सिंह यादव के दौर में उनकी हैसियत इतनी बड़ी थी कि सपा के भीतर उनके राजनीतिक वजन को नजरअंदाज करना आसान नहीं था। अखिलेश यादव के कार्यकाल में भी वह सरकार के सबसे प्रभावशाली मंत्रियों में शामिल रहे। इसलिए आजम की अनुपस्थिति केवल एक वरिष्ठ नेता की गैरमौजूदगी नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक व्यवस्था में खाली हुई जगह है जिसमें मुस्लिम नेतृत्व का एक बड़ा चेहरा लंबे समय तक मौजूद रहा।

लेकिन आजम खान की राजनीतिक ताकत को लेकर एक दूसरा सच भी है। रामपुर में उनका प्रभाव पहले जैसा निर्विवाद नहीं रह गया है। 2022 के उपचुनाव में रामपुर लोकसभा सीट भाजपा के घनश्याम सिंह लोधी ने जीत ली थी। 2024 में सपा के मोहिबुल्लाह नदवी ने 4,81,503 वोट हासिल कर भाजपा के घनश्याम सिंह लोधी को 87,434 वोटों से हराया। यह जीत सपा के लिए महत्वपूर्ण थी, लेकिन उम्मीदवार चयन को लेकर आजम खान के खेमे की नाराजगी ने पार्टी के अंदरूनी समीकरण भी उजागर किए। आजम के करीबी आसिम रजा की दावेदारी और मोहिबुल्लाह नदवी को टिकट दिए जाने के बीच पैदा हुआ विवाद बताता है कि रामपुर में आजम की राजनीतिक विरासत को लेकर खींचतान पहले से मौजूद है। लिहाजा उनकी गिरफ्तारी के बाद यह मान लेना कि पूरा राजनीतिक मैदान अपने आप सपा के हाथ से निकल जाएगा, उतना ही गलत होगा जितना यह मानना कि उनकी अनुपस्थिति से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।अखिलेश यादव के सामने सबसे बड़ी चुनौती मुस्लिम नेतृत्व के भरोसे की है। 22 अक्टूबर को रामपुर जेल में आजम खान से मुलाकात करके अखिलेश ने राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की थी। लेकिन इस मुलाकात के कुछ ही दिनों बाद आजम की गिरफ्तारी ने उस संदेश की परीक्षा शुरू कर दी है। सवाल यह नहीं है कि अखिलेश आजम खान के सम्मान में बयान देते हैं या नहीं। असली सवाल यह है कि पार्टी संगठन और चुनावी फैसलों में मुस्लिम नेताओं को कितनी भागीदारी मिलती है।

2022 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 403 सीटों में 34 मुस्लिम विधायक चुनकर विधानसभा पहुंचे थे। यह आंकड़ा बताता है कि मुस्लिम मतदाताओं की राजनीतिक भागीदारी और विधानसभा में उनके प्रतिनिधित्व के बीच अभी भी बड़ी बहस मौजूद है। सपा के लिए चुनौती केवल मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल करना नहीं, बल्कि उन्हें राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया में हिस्सेदारी का भरोसा देना भी है।इसी खाली जगह पर असदुद्दीन ओवैसी अपनी राजनीति का विस्तार करने की कोशिश कर रहे हैं। 18 अक्टूबर को रामपुर के टांडा में हुई जनसभा में उन्होंने अखिलेश यादव और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मुस्लिम युवा अब दूसरों के लिए दरी बिछाने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि अपना नेतृत्व खुद करेंगे। ओवैसी का यह बयान महज चुनावी भाषण नहीं, बल्कि मुस्लिम प्रतिनिधित्व की उस बहस को सामने लाता है जिसे सपा लंबे समय से अपने राजनीतिक आधार का हिस्सा मानती रही है।आजम खान जेल से बाहर रहते तो सपा के पास इस सवाल का जवाब देने के लिए एक प्रभावशाली राजनीतिक चेहरा मौजूद रहता। वह अपने पुराने समर्थकों से संवाद कर सकते थे और अखिलेश यादव के साथ मंच साझा करके पार्टी के भीतर मुस्लिम नेतृत्व की भूमिका का संदेश दे सकते थे। लेकिन यह भी सच है कि किसी एक नेता की मौजूदगी से प्रतिनिधित्व की पूरी समस्या हल नहीं होती। ओवैसी के सवालों का जवाब तभी दिया जा सकता है जब टिकट वितरण से लेकर संगठन और विधानसभा में नेतृत्व तक मुस्लिम नेताओं की भागीदारी दिखाई दे।अब सपा के सामने दोहरी चुनौती है।

एक तरफ आजम खान के पुराने समर्थकों को पार्टी से जोड़े रखना है, दूसरी तरफ रामपुर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नए नेतृत्व को जगह देनी है। आजम के राजनीतिक सम्मान और स्थानीय नेताओं की महत्वाकांक्षाओं के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होगा। आजम खान की कानूनी लड़ाई अभी लंबी हो सकती है, लेकिन उनकी गिरफ्तारी के बाद छह महीने जेल में रहना अनिवार्य है, ऐसा कहना भी सही नहीं होगा। जमानत का फैसला अदालत और मामले की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। इसलिए जनवरी से मार्च 2027 तक उनकी रिहाई का कोई रास्ता नहीं है, ऐसा अभी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता।उत्तर प्रदेश की राजनीति में आजम खान की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या मुस्लिम नेतृत्व किसी पार्टी के चुनावी समर्थन तक सीमित रहेगा या उसे फैसले लेने की वास्तविक जगह भी मिलेगी। 2027 की लड़ाई में यह सवाल केवल आजम खान का नहीं होगा। यह अखिलेश यादव की संगठनात्मक राजनीति, ओवैसी के प्रतिनिधित्व संबंधी दावों और मुस्लिम मतदाताओं के राजनीतिक विकल्पों की भी परीक्षा होगी। रामपुर से उठी यह बहस अब प्रदेश की राजनीति के बड़े सवालों में शामिल हो चुकी है।

संजय सक्सेना,

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7682

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7681 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

दैनिक पंचांग

3 नवम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.12 ब.से
चंद्र	सिंह में	धनु	09.28 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.33 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.19 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन	14.52 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.23 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.03 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.01 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.14 बजे से
		सिंह	00.30 बजे से
		कन्या	02.42 बजे से
		तुला	04.53 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

मंगलवार 2026 वर्ष का 307 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 11.55 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मघा 03.27 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 09.54 बजे को समाप्त। **करण** गर 11.55 बजे तदनन्तर वणिज 23.26 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 00' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872882 **जूलियन दिन** 2461347.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

फेसबुक कम्युनिटी स्टैंडर्ड्स और एल्गोरिथमिक नीतियां

फेसबुक पर सुबह उठते ही मित्रों की पोस्ट्स पर शुभ प्रभात, शुभ संध्या, बहुत सुंदर या नाईस डीपी जैसे कमेंट्स की झड़ी लगा देना एक आम भारतीय डिजिटल व्यवहार है। आम उपयोगकर्ता को लगता है कि वह केवल एक सामाजिक शिष्टाचार निभा रहा है या सामने वाले की पोस्ट को बढ़ावा दे रहा है। लेकिन फेसबुक के मेटा एआई एल्गोरिदम और आधिकारिक नीतियों की कोडिंग इस व्यवहार को बिल्कुल अलग और बेहद गंभीर चश्मे से देखती है। आज के इस डिजिटल युग में यह समझना अनिवार्य है कि फेसबुक की आधिकारिक नियमावली इन औपचारिक कमेंट्स को किस तकनीकी और कानूनी दायरे में रखती है। मेटा की स्पैम और इन ऑथेंटिक बिहेवियर गाइडलाइन का मुख्य उद्देश्य प्लेटफॉर्म पर एक वास्तविक वातावरण बनाए रखना है। फेसबुक की सुरक्षा प्रणाली स्पष्ट रूप से कहती है कि यदि कोई अकाउंट बहुत कम समय में एक जैसी (रिपीटेटिव) प्रतिक्रियाएं बार-बार दोहराता है, तो सिस्टम उसे इंसानी व्यवहार नहीं मानता।

जब आप हर तीसरी पोस्ट पर जाकर केवल शुभ प्रभात या ₹बहुत सुंदर₹ लिखते हैं, तो फेसबुक के सिक्योरिटी बॉट्स को लगता है कि यह किसी स्वचालित रोबोट या स्क्रिप्ट द्वारा किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप फेसबुक आपके अकाउंट को एक्शन ब्लॉक्ड के रडार पर डाल देता है, जिससे भविष्य में आपकी खुद की पोस्ट की ऑर्गेनिक रीच धीरे-धीरे बिल्कुल समाप्त हो जाती है। फेसबुक के न्यूज फीड पब्लिशर गाइडलाइन्स के अनुसार, प्लेटफॉर्म कृत्रिम रूप से बढ़ाए गए जुड़ाव को हतोत्साहित करता है। फेसबुक ऐसे एक-दो शब्दों वाले औपचारिक कमेंट्स को इंगेजमेंट बेटिंग (लाइक और कमेंट बटोरने का लालच) के रूप में चिन्हित करता है। यदि कोई क्रिएटर अपनी पोस्ट पर लोगों से जानबूझकर केवल शुभ प्रभात या जय श्री राम जैसे एक शब्द के कमेंट्स करवाता है ताकि उसकी पोस्ट वायरल हो सके, तो फेसबुक का फीड डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम उस पोस्ट की ऑर्गेनिक रीच को तुरंत 50% से 8% तक गिरा देता है। फेसबुक का स्पष्ट नियम है कि संवाद डिटेल्ड और वर्णनात्मक होना चाहिए।

मेटा की सबसे कड़ी नीति सेफ्टी एंड डिग्निटी को लेकर है, जिसके तहत एआई पोस्ट के टेक्स्ट का सेंटिमेंट एनालिसिस यानी भावनाओं का विश्लेषण करता है। मान लीजिए किसी मित्र ने अपनी फेसबुक वॉल पर किसी दुखद समाचार, जैसे किसी का निधन, बीमारी या दुर्घटना या किसी गंभीर सामाजिक मुद्दे पर लंबी पोस्ट लिखी है। फेसबुक का एआई उस पोस्ट को सेंसिटिव या सीरियस श्रेणी में डाल देता है। अब यदि कोई उपयोगकर्ता बिना पोस्ट पढ़े, केवल ऊपर दिख रही तस्वीर को देखकर नीचे बहुत सुंदर या शुभ प्रभात कमेंट कर देता है, तो एआई इसे पोस्ट के प्रति असंवेदनशील व्यवहार या ट्रॉलिंग मान लेता है। हालांकि उपयोगकर्ता की नीयत बुरी नहीं थी, लेकिन कम्युनिटी गाइडलाइन्स के नियमों के तहत इसे अन-इंटेंशनल हैरासमेंट के रूप में दर्ज कर लिया जाता है, जिससे आपके प्रोफाइल की ओवरऑल क्वालिटी रेटिंग खराब हो जाती है।

इस औपचारिकता का प्रभाव इस बात पर भी निर्भर करता है कि कमेंट कहां किया जा रहा है?

व्यक्तिगत टाइमलाइन -यहां फेसबुक इसे मित्रों के बीच का सतही संवाद मानता है। सामने वाले को केवल एक नोटिफिकेशन जाता है, लेकिन पोस्ट को कोई एल्गोरिथमिक बूस्ट नहीं मिलता।

फेसबुक ग्रुप्स -ग्रुप्स में मॉडरेशन नियम बहुत कड़े होते हैं। एआई और ग्रुप मॉडरेटर ऐसे कमेंट्स को स्पैम या क्लटर (कबाड़) मानते हैं। लगातार ऐसा करने पर ग्रुप से परमानेंट ब्लॉक होने का खतरा रहता है फेसबुक पेजेस -पेज का एल्गोरिदम गहन चर्चा मांगता है। पेज पोस्ट पर बहुत सुंदर लिखने से न तो पेज ओनर को कोई रीच मिलती है और न ही कमेंट करने वाले को कोई फायदा होता है।

मेटा की आधिकारिक नीतियों का मूल मंत्र है- रियल पियुप्ल रियल कंजर्वेशन (असली लोग, असली बातचीत)। फेसबुक पर निभाई जाने वाली कट-कॉपी-पेस्ट वाली सतही औपचारिकताएं तकनीकी रूप से फेसबुक के कम्युनिटी स्टैंडर्ड्स के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ हैं। इसलिए अपनी डिजिटल उपस्थिति और अकाउंट की रीच को जीवित रखने के लिए कुछ नियमों का पालन करना अनिवार्य हो जाता है- संबोधन का नियम, पांच शब्दों का नियम, रिएक्शन का सही उपयोग।

संबोधन का नियम -शुभ प्रभात के आगे हमेशा उस मित्र का नाम लिखें जैसे शुभ प्रभात महापात्रा जी!)। नाम जोड़ने से टेक्स्ट का पैटर्न बदल जाता है और फेसबुक इसे स्पैम नहीं मानता।

पांच शब्दों का नियम -किसी भी पोस्ट पर कम से कम 5 अलग-अलग शब्दों का एक वाक्य बनाएं। जैसे बहुत सुंदर की जगह लिखें, इस तस्वीर में बैकग्राउंड का

तीन प्रेरणादायी व्यक्तित्वों पर सरकार्यवाह जारी करेंगे वक्तव्य

एजेंसी, इंदौर



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में अब तक हुए कार्यक्रमों के अनुभवों को भविष्य की कार्ययोजना में बदलने, पंच परिवर्तन को समाज के व्यवहार का हिस्सा बनाने और देशभर में शाखाओं के विस्तार को गति देने के उद्देश्य से संघ का शीर्ष संगठनात्मक मंथन सोमवार को मप्र के इंदौर शहर में शुरू हो गया। डेली कॉलेज के संत श्री रविदास महाराज सभागार में प्रारंभ हुई अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की वार्षिक बैठक में देशभर से लगभग 400 से अधिक प्रतिनिधि जुटे हैं। वहीं, सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की उपस्थिति में शुरू हुई इस बैठक में विजयादशमी 2025 से विजयादशमी 2026 तक शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ उनके अगले चरण की कार्ययोजना पर विचार हो रहा है। बैठक चार नवंबर की सायंकाल तक चलेगी।

शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों का आकलन, अब आगे की रणनीतिः बैठक और प्रदर्शनी से संबंधित जानकारी देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र कुमार ने मीडिया प्रतिनिधियों को बताया कि संघ की इस बैठक का महत्व शताब्दी वर्ष में हुए आयोजनों की समीक्षा तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से इन कार्यक्रमों के प्रभाव, समाज के विभिन्न वर्गों तक उनकी पहुंच और आगे किए जाने वाले कार्यों की दिशा पर भी विचार किया जा रहा है। बैठक में इस बात पर विशेष ध्यान रहेगा कि शताब्दी वर्ष के दौरान स्वयंसेवकों के माध्यम से समाज में पहुंचे विचारों और गतिविधियों को निरंतरता कैसे दी जाए। कार्यक्रमों के अनुवर्तन, उनके सामाजिक प्रभाव और अलग-अलग वर्गों तक पहुंचने के लिए प्रभावी कार्यपद्धति विकसित करने पर चर्चा होगी।

शाखा विस्तार के बाद अब उनके सुदृढ़ीकरण पर होगी बातः शताब्दी वर्ष में स्वयंसेवकों की ओर से किए गए शाखा विस्तार की समीक्षा बैठक का एक अन्य प्रमुख विषय है। संघ की संगठनात्मक कार्यपद्धति में शाखा को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। ऐसे में नए स्थानों पर शाखाएं प्रारंभ करने के साथ पहले से चल रही और हाल में विस्तारित शाखाओं को अधिक नियमित, सक्रिय एवं प्रभावी बनाना भी विचार-विमर्श के केंद्र में रहेगा। बैठक में विस्तारित शाखाओं के दृढ़ीकरण, उनकी नियमितता और कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने पर चर्चा होगी। इसके साथ ही देश के अधिकाधिक स्थानों पर शाखाएं प्रारंभ करने की संभावनाओं और उसके लिए आवश्यक संगठनात्मक प्रयासों पर भी विचार किया जाएगा। इसके अलावा संघ की ओर से शताब्दी वर्ष के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने और सामाजिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

मप्र के इंदौर में दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी



इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में 15 नवंबर को होने वाले मशहूर पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। आतंकी संगठन के नाम से आए एक धमकी भरे ई-मेल में कॉन्सर्ट के दौरान आईईडी से धमाके करने की चेतावनी दी गई है। यह धमकी भरा ई-मेल सोमवार को इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव के कार्यालय और तीन स्कूलों को भेजे गए हैं। यह ई-मेल 'खालिस्तानी नेशनल आर्मी' के नाम से भेजा गया है। ई-मेल भेजने वालों में खुद को इंजीनियर गुरानाख सिंह, रुखन शाहवाला, डॉ. गुरनिरवेर सिंह और बब्बर खालसा (परमार-कनाड़) के प्रोफेसर गुरकाल सिंह पीएचडी बताने वालों के नाम लिखे हैं। ई-मेल में इंदौर शो के दौरान आईईडी ब्लास्ट करने की बात कही गई है। इंदौर क्राइम ब्रांच के एडीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि इंदौर के तीन स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मिले हैं। इनमें चेतावनी दी गई है कि 15 नवंबर को होने वाले दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम में अपने बच्चों को न भेजें, क्योंकि वहां बम धमाके किए जाएंगे।

भाजपा ने आशुतोष रांका और अभिजीत दिपके पर लगाया विदेशी आर्थिक मदद मिलने का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली



नागपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने आरोप लगाया कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आशुतोष रांका को पाकिस्तान से आर्थिक मदद मिली थी। पाकिस्तान की सानिया निसार की ओर से रांका को पैसे मिलने का दावा करते हुए उन्होंने इन वित्तीय लेन-देन को ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ जनमत तैयार करने के प्रयासों से जोड़ा। नागपुर में सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शुक्ला ने कहा कि सीजेपी के नेता अभिजीत दिपके और आशुतोष रांका हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के कारण चर्चा में आए थे। आंदोलन के दौरान तोड़फोड़ की कोशिश करने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया था।

शुक्ला ने अभिजीत दिपके को भी विदेश से आर्थिक सहायता मिलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विदेशों में रहने वाले भारतीय नागरिक विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से एफसीआरए खातों के जरिए धन उपलब्ध कराते हैं। इस आधार पर उन्होंने इन वित्तीय लेन-देन की पारदर्शिता पर सवाल उठाए। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में कौन-से सबूत सार्वजनिक किए गए हैं, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि रविवार को रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस की रैली अपेक्षा के अनुरूप प्रभावशाली नहीं रही। रैली में एक लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया गया था, जबकि वास्तव में केवल 20 से 25 हजार लोग ही पहुंचे थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस रैली में एसआईआर प्रक्रिया के कारण मतदाता सूची से नाम हटाए गए नागरिक शामिल नहीं थे, बल्कि मुख्य रूप से कांग्रेस के कार्यकर्ता ही मौजूद थे।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों का भी शुक्ला ने जवाब दिया। उन्होंने बताया कि देश में अब तक 12 बार एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जिनमें से 10 बार यह प्रक्रिया कांग्रेस के शासनकाल में हुई थी। उनका कहना था कि मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया है। राहुल गांधी द्वारा 14 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने के दावे को निराधार बताते हुए उन्होंने विभिन्न आंकड़े पेश किए। उनके अनुसार 6.30 करोड़ मतदाताओं के नाम दो स्थानों पर दर्ज थे। 3 करोड़ नागरिक सर्वेक्षण के दौरान अनुपस्थित थे। 2.80 करोड़ मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी थी। इसके अलावा एक करोड़ अतिरिक्त मतदाताओं के नाम भी दो स्थानों पर दर्ज होने के कारण हटाए गए।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में कतर एयरवेज के क्रू मेंबर के हैंड लगेज से सोना बरामद, गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कतर एयरवेज के चालक दल के एक सदस्य को सोने के साथ पकड़ा गया है। बताया जा रहा है कि रविवार रात ढाई बजे कतर की राजधानी दोहा से आई कतर एयरवेज की उड़ान संख्या क्यूआर 650 के एक क्रू मेंबर के हैंड लगेज से सोना मिलने के बाद उसे सीमा शुल्क कार्यालय को सौंप दिया गया। सुरक्षा अधिकारी के अनुसार, मरियम गजौनी जब हैंड लगेज लेकर त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सीमा शुल्क कार्यालय के वॉक-थ्रू गेट से बाहर निकल रही थीं, तभी उनके सामान से सोने की बिस्कुट जैसी आकृति वाली दो पीली वस्तुएं मिलीं। इनका वजन 20-20 ग्राम बताया गया है। नेपाल सशस्त्र पुलिस बल और त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सीमा शुल्क कार्यालय की संयुक्त टीम ने उक्त वस्तुओं को बरामद कर आवश्यक जांच और कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क कार्यालय को सौंप दिया है।



भारतीय सेना में गोरखा भर्ती फिर शुरू करने की मांग, काठमांडू में पूर्व सैनिकों का प्रदर्शन



काठमांडू। भारतीय सेना में गोरखा भर्ती फिर से शुरू करने की मांग को लेकर सोमवार को भारतीय पूर्व सैनिक कल्याणकारी संघ ने काठमांडू में और ऑल नेपाल भारतीय पूर्व सैनिक कल्याणकारी संघ ने काठमांडू के माइतीघर में प्रदर्शन किया। भारत सरकार की ओर से अग्निपथ योजना लागू किए जाने के बाद से गोरखा भर्ती बंद है। इससे पहले 12 अगस्त को पोखरा में पूर्व गोरखा सैनिकों और युवाओं ने भर्ती फिर से शुरू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। इसी तरह, 19 अगस्त को भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ के नेपाल दौरे के दौरान भी पूर्व गोरखा सैनिकों ने भर्ती फिर से शुरू करने के लिए पहल करने का आग्रह किया था। हालांकि, भारतीय सेना प्रमुख के नेपाल दौरे के दौरान भी भर्ती फिर से शुरू करने के मुद्दे पर कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने बेरोजगार नेपाली युवाओं के लिए भरोसेमंद रोजगार की व्यवस्था करने की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने सचिव स्तर के फैसले को खारिज करते हुए पूर्व गोरखा सैनिकों की संस्था या संगठन के पंजीकरण का नवीनीकरण करने की व्यवस्था करने की भी मांग की।

मप्र से राज्यसभा के लिए निर्दलीय राजकुमार लोहानी ने ठोकी ताल, कांग्रेस का समर्थन

भोपाल। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की रिक्त सीट के लिए होने वाला उपचुनाव अब दिलचस्प हो गया है। भाजपा के उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुकाबले निर्दलीय उम्मीदवार राजकुमार लोहानी ने सोमवार को विधानसभा पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस ने राजकुमार लोहानी को समर्थन देने का फैसला किया है। उनके नामांकन में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे प्रस्तावक बने। इस दौरान कांग्रेस विधायक आरिफ अकील, अभिजीत शाह, सुरेंद्र सिंह हनी बघेल सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। राजकुमार लोहानी के मैदान में उतरने से राज्यसभा उपचुनाव में मुकाबले की स्थिति बन गई है। हालांकि, विधानसभा में संख्या बल के लिहाज से भाजपा की स्थिति काफी मजबूत है। इसके बावजूद कांग्रेस ने लोहानी को समर्थन देकर भाजपा उम्मीदवार के सामने चुनौती पेश करने का राजनीतिक फैसला लिया है। उपनेता प्रतिपक्ष कटारे ने कहा कि नामांकन दाखिल करने की सोमवार को अंतिम तारीख थी। राजकुमार लोहानी ने चुनाव में कांग्रेस विधायकों से सहयोग मांगा है। सभी कांग्रेस विधायकों ने उन्हें पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया है। हर व्यक्ति को चुनाव लड़ने का संवैधानिक अधिकार है। कटारे ने कहा कि राज्यसभा का उम्मीदवार प्रदेश का स्थानीय व्यक्ति होना चाहिए। मध्य प्रदेश में योग्य लोगों की कमी नहीं है, ऐसे में बाहर के प्रत्याशी को क्यों थोपा जाए।

भाजपा की ओर से पुरी पहले ही भर चुके हैं पर्चाः भाजपा ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को मध्य प्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव का उम्मीदवार बनाया है। पुरी ने 31 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया था। यह उपचुनाव केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के राज्यसभा से इस्तीफा देने के कारण कराया जा रहा है। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार, तीन नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार पांच नवंबर तक नाम वापस ले सकेंगे। जरूरत पड़ने पर 12 नवंबर को सुबह नौ से शाम चार बजे तक मतदान होगा। इसके बाद शाम पांच बजे मतगणना की जाएगी। मध्य प्रदेश विधानसभा में भाजपा के 164 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के 65 विधायक हैं। एक सीट भारत आदिवासी पार्टी के पास है। ऐसे में संख्या बल भाजपा के पक्ष में है।

राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे के निर्माण में तेजी लाने का आग्रह

एजेंसी, नई दिल्ली



बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री के आवास पर हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा लंबित सड़क परियोजनाओं को जल्द शुरू करने पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने राज्य में सड़क एवं आधारभूत संरचना के विकास के लिए निरंतर सहयोग देने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बिहार की कनेक्टिविटी को नई दिशा देने वाली प्रमुख सड़क परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बिहार में कुल 49,751 करोड़ रुपये की लागत वाली और लगभग 330 किलोमीटर लंबाई की चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं को भारत सरकार की सार्वजनिक निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति (पीपीपीएसी) से मंजूरी मिल चुकी है। ये परियोजनाएं राज्य में लॉजिस्टिक्स लागत कम करने और यातायात को सुगम बनाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। फिलहाल ये आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की अंतिम स्वीकृति के लिए विचाराधीन हैं। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं में 1,976.77 करोड़ रुपये की लागत से एनएच-727एए पर गंडक नदी में दो लेन के पुल और पहुंच पथ का निर्माण शामिल है। यह पुल बिहार के मनुआपुल (बेतिया) को उत्तर प्रदेश के तिवारीपट्टी (सेवराही) से जोड़ेगा।

भोपाल में एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव मिले हत्या की आशंका, रेलवे ट्रैक पर मिला मुखिया का शव

एजेंसी, भोपाल



मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। छोला थाना क्षेत्र के ग्राम मालीखेड़ी में सोमवार सुबह एक घर में परिवार के चार सदस्यों के शव मिले हैं। वहीं एक व्यक्ति (परिवार के मुखिया) का शव सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र के चोपड़ा कलां में रेलवे ट्रैक पर मिला। घर में जिन चारों सदस्यों के शव मिले, उनके गले कटे हुए थे। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि व्यक्ति ने पहले सभी की हत्या की, इसके बाद ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत की खबर से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने दोनों घटनास्थलों पर जांच शुरू कर दी है।

छाला थाना पुलिस के अनुसार, नरेंद्र साहू (35) नामक युवक ग्राम मालीखेड़ी में पीएमएवाई एलआईजी कॉलोनी में किराए के मकान एलआईजी बी-4 में अपने परिवार के साथ रहता था। सोमवार सुबह घर में नरेंद्र की मां सरस्वती साहू (50), पत्नी सोमलता साहू (29), बेटी कृति साहू (10) और बेटे खुश साहू (6) के शव मिले। सभी के सिर और गले पर चोट के निशान मिले हैं। आशंका है कि किसी धारदार हथियार से उन पर हमला किया गया है। वहीं, परिवार के मुखिया नरेंद्र साहू का शव सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र के चोपड़ा कलां में रेलवे ट्रैक पर मिला।

पुलिस के अनुसार, परिवार के एक रिश्तेदार को सोमवार सुबह नरेंद्र की मौत की सूचना मिली। वह परिजन को जानकारी देने के लिए मालीखेड़ी स्थित घर पहुंचा, लेकिन काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला। फोन पर भी किसी से संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद रिश्तेदार ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर घर में प्रवेश किया तो अंदर चार लोगों के शव मिले।

भोपाल जोन-4 के डीसीपी आदर्श कांत शुक्ला ने बताया कि शुरुआती जांच में परिवार के मुखिया पर कर्ज का दबाव और मानसिक तनाव होने की बात सामने आई है। परिवार का एक छोटा रेस्टोरेंट था, जो कुछ समय पहले बंद हो गया था। बताया गया है कि नरेंद्र पिछले 15 से 20 दिनों से कोई काम भी नहीं कर रहा था। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि आर्थिक परेशानी का घटना से कोई संबंध था या नहीं। उन्होंने बताया कि दो शव बेड पर मिले हैं। इससे आशंका है कि वारदात के वक्त परिवार के सदस्य गहरी नींद में थे या किसी दूसरी स्थिति में थे। शुरुआती जांच में घटना देर रात या आधी रात के आसपास की हो सकती है।

मकान मालिक रामसिंह ने पुलिस को बताया कि पिछले साल सितंबर में मकान नंबर 4 सोमलता साहू को पांच हजार रुपये महीने के किराए पर दिया था। उस समय उन्होंने सोमलता का आधार कार्ड भी लिया था। सोमलता ने बताया था कि उनके पति बाहर प्राइवेट नौकरी करते हैं। वह दो बच्चों और अपनी सास के साथ रहती हैं। सोमलता हर महीने ऑनलाइन किराया भेज देती थीं। उन्होंने बताया कि वह कभी घर देखने नहीं गए। सोमवार दोपहर सोसाइटी के एक व्यक्ति का फोन आया, तब उन्हें घटना की जानकारी मिली। फिलहाल वह विदिशा में हैं।

धार्मिक ग्रंथों में वर्णित जीवन मूल्यों के अनुरूप आचरण करें : डीवाई चंद्रचूड़

एजेंसी, नई दिल्ली



धार्मिक ग्रंथों में वर्णित जीवन मूल्यों के अनुरूप आचरण करने वाले व्यक्ति संतोष और प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। संसार के सभी प्राणी द्वेष और शत्रुता त्यागकर एक-दूसरे के प्रति मैत्रीभाव विकसित करें। यह विचार देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने यहां के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित माता भगवती देवी शर्मा के जन्मशताब्दी एवं अखंड दीप शताब्दी महोत्सव के समापन समारोह में व्यक्त किए।

तीन दिवसीय महोत्सव का समापन ज्ञान यज्ञ की मशाल रैली और विश्व कल्याण के महासंकल्प के साथ हुआ। समारोह में विचार क्रांति, मानवीय एकता, सामाजिक सद्भाव और नवयुग निर्माण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जन्मशताब्दी महोत्सव का समापन युग निर्माण की यात्रा का अंत नहीं, बल्कि गुरुदेव-माताजी के संकल्पों को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का अवसर है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने संत ज्ञानेश्वर रचित 'पसायदान' के छंदों का उल्लेख करते हुए मानवीय मूल्यों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने दुष्प्रवृत्तियों के अंत, सत्कर्मों के प्रति अनुराग और सभी प्राणियों के बीच मैत्रीभाव विकसित करने के संदेश की व्याख्या की।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि धार्मिक ग्रंथों में वर्णित जीवन मूल्यों के अनुरूप आचरण करना मानव जीवन को संतोष और प्रसन्नता से भरता है। सदाचार, परस्पर प्रेम और मानवीय संवेदनाओं को जीवन में उतारना आवश्यक है। संसार के सभी प्राणी एक-दूसरे के प्रति द्वेष और शत्रुता की भावना त्यागकर मित्रवत व्यवहार करें। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि माता भगवती देवी शर्मा का संपूर्ण जीवन सेवा, समर्पण, सादगी और समन्वय की अनुपम मिसाल है। गायत्री परिवार मानवीय मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना और समाज कल्याण के आदर्शों से जुड़ा विशाल परिवार है। गुरुदेव-माताजी के तप, त्याग और लोकमंगल के संकल्पों ने इस परिवार को व्यापक सामाजिक चेतना का स्वरूप दिया है। माताजी के जीवन आदर्श आज भी सेवा, सद्भाव और सामूहिक सहयोग के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा दे रहे हैं।

विदाई सत्र में 'ज्योति कभी नहीं बुझेगी' विषय पर समारोह के दलनायक एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने वर्ष 2026 को गायत्री परिवार के लिए 'सौभाग्य का प्रयाग' बताया। उन्होंने कहा कि यह वर्ष ऐतिहासिक उपलब्धियों, आध्यात्मिक साधना और गुरुदेव-माताजी के संकल्पों के संगम का पावन अवसर है।

छत्तीसगढ़ के ऊर्जा विजन को वैश्विक शिखर सम्मेलन में रखेंगे विष्णु देव साय

एजेंसी, नई दिल्ली



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सोमवार को भारत मंडपम में आयोजित इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 में शामिल होने पहुंचे। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। समिट में मुख्यमंत्रियों एवं केंद्रीय मंत्रियों की राउंड टेबल चर्चा आयोजित की जाएगी। इस वैश्विक मंच पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ के ऊर्जा विजन को प्रमुखता से प्रस्तुत करेंगे। उनका जोर राज्य को ऊर्जा उत्पादन के पारंपरिक केंद्र के साथ-साथ स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी अग्रणी बनाने पर रहेगा।

छत्तीसगढ़ सरकार के अनुसार मुख्यमंत्री राज्य की प्राकृतिक संसाधन क्षमता, ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं, ग्रीन एनर्जी के विस्तार और भविष्य की निवेश योजनाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के सामने रखेंगे। मुख्यमंत्री का विजन छत्तीसगढ़ को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के साथ-साथ देश की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्थापित करना है। इसके तहत सौर ऊर्जा सहित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को प्रोत्साहन, आधुनिक ऊर्जा अधोसंरचना का विकास और निजी निवेश की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष बल रहेगा। मुख्यमंत्री निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद कर छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं तथा निवेश के अनुकूल वातावरण की जानकारी भी साझा करेंगे।

नितिन नवीन ने कोलकाता में की पद यात्रा

कोलकाता। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष और कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से लगातार किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों के जवाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी देशव्यापी अभियान शुरू किया है। इसके तहत पार्टी देश के विभिन्न शहरों में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत मार्च निकाल रही है। इसी क्रम में सोमवार को कोलकाता में कॉलेज स्ट्रीट से धर्मतल्ला तक मार्च निकाला गया। इस मार्च का नेतृत्व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया। इसमें पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य भी शामिल हुए। तीनों नेता कंधे पर तिरंगा लेकर मार्च में आगे चलते नजर आए। बिहार में मार्च निकालने के बाद सोमवार दोपहर नितिन नवीन कोलकाता हवाई अड्डे

धन्वंतरि जयंती समारोह में आयुर्वेद के चिकित्सक और पत्रकार सम्मानित

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित एनडीएमसी सभागार में सोमवार को इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए-आयुष) ने अपने 40वें वार्षिकोत्सव और भगवान धन्वंतरि जयंती समारोह के दौरान आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देशभर के चिकित्सकों और पत्रकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर कई श्रेणियों में प्रतिष्ठित अवार्ड दिए गए। इनमें आयुर्वेद चिकित्सा में उल्लेखनीय योगदान के लिए कई विशिष्ट पुरस्कारों में धन्वंतरि पुरस्कार तिब्बिया कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. केके सिजोरिया और डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग डायरेक्टर डॉ. दुर्गा प्रसाद, सुश्रुत एवं चरक पुरस्कार में से झज्जर के डॉ. शुभम सैनी को 'सुश्रुत अवार्ड' तथा सोनीपत (एमएसएम इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद) की एचओडी डॉ. वीना हिमांशु शर्मा को 'चरक अवार्ड', लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड संस्था के हित में सराहनीय कार्य के लिए डॉ. चंद्रशेखर भारद्वाज शामिल हैं। इसके अलावा मेमोरियल एवं एप्रिसिएशन अवार्ड में से मेमोरियल अवार्ड डॉ. जेएस पंवार, डॉ. मुनीश गुलाटी (दिल्ली) और डॉ. हरि शंकर देव शर्मा, डॉ. विजेंद्र पाल सिंघला (फरीदाबाद) को मिला जबकि अपने जीवन में 86 बार रक्तदान करने वाले डॉ. पुरुषोत्तम पालीवाल, डॉ. फमीदा कौशर और डॉ. आयशा परवीन को एप्रिसिएशन अवार्ड से नवाजा गया। कार्यक्रम में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से आए चिकित्सकों को भी सम्मानित किया गया।

आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले मीडियाकर्मियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें सर्जना शर्मा, आयुष मंत्रालय के मीडिया प्रभारी गौरव शर्मा, अशोक किंकर, कृष्ण कुमार तिवारी, मीना कुमारी जांगिड़ (आईसीएआर), प्रहलाद राजपूत, अजीत सिंह, अक्षीव ठाकुर, हिमांशु पांडे, वीरेंद्र कुमार गुप्ता, विशाल मिश्रा, सुभाष चन्द्र, अभि सिंघल और गुरविंदर सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव डॉ. रमन खन्ना ने संस्था की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और 'सुर झंकार ग्रुप' ने श्री गणेश वंदना और 'समुद्र मंथन' नाटक की प्रस्तुति दी। वहीं, महिला चिकित्सकों ने भगवान धन्वंतरि की वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में संस्था की वार्षिक स्मारिका का विमोचन किया गया, जिसमें मुख्य संपादक डॉ. लव कुमार, डॉ. राजीव मल्होत्रा, डॉ. मो. अशद, डॉ. शैलेश द्विवेदी, डॉ. के.के. सिंघल और डॉ. जितेन्द्र गौड़ का अहम योगदान रहा।

इस मौके पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के निदेशक डॉ. पीके प्रजापति, आईएमए-आयुष के मीडिया प्रभारी एवं विधि सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. रामफल पांचाल, एनसीआईएसएम के बोर्ड ऑफ एथिक्स और रजिस्ट्रेशन के अध्यक्ष डॉ. सुश्रुत कन्नौजिया, विधि सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. रामफल पांचाल, लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय के उप कुलपति मुरली मनोहर पाठक, संस्था के संरक्षक डॉ. आरएस चौहान, राष्ट्रीय पत्रकार संघ के अध्यक्ष राकेश थपलियाल, दिल्ली राज्य अध्यक्ष डॉ. अरुण कटारिया उपस्थित रहे।

3-11-2026 T.P. Page 8_Layout 1 03-11-2026 08:48 Page 1



इन बैड मनी हैबिट्स से आज ही कर लें किनारा

अधिकतर लोग यह मानते हैं कि एक अच्छा जीवनयापन करने के लिए उनकी अच्छी-खासी इनकम होनी चाहिए। लेकिन आपकी सैलरी या इनकम अमाउंट से भी ज्यादा महत्वपूर्ण होता है, उस पैसे को मैनेज करने की कला आना। ऐसे कई लोग होते हैं, जो बेहद ही सिस्टमेटिक तरीके से अपने पैसे को खर्च करते हैं और कुछ हिस्से को निवेश करते हैं। जिससे उन्हें वर्तमान ही नहीं, बल्कि भविष्य में भी किसी तरह की कोई समस्या नहीं होती है। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनकी इनकम अच्छी खासी होती है। लेकिन फिर भी उन्हें वे पैसे कम ही पड़ जाते हैं। यहां तक कि कई बार तो कर्ज लेने की जरूरत भी पड़ जाती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि उनमें कुछ बैड मनी हैबिट्स होती है।

कमाई से अधिक खर्च

बहुत से लोगों को काफी अधिक खर्च करने की आदत होती है। यहां तक कि वे जितना कमाते हैं, उससे भी अधिक खर्च करना शुरू कर देते हैं। अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए वे क्रेडिट कार्ड आदि का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा करने से आपको कभी भी फाइनेंशियल प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, हर महीने अपनी आय का लगभग 20 प्रतिशत बचाने का लक्ष्य रखें।

जरूरत से ज्यादा लोन

आज के समय में आपको कार से लेकर घर तक के लिए लोन मिल जाता है। कुछ लोग एक बेहतर जीवन जीने के लिए इन सभी चीजों पर लोन ले लेते हैं। हालांकि, एक साथ कई सारे लोन लेना समझदारी भरा निर्णय नहीं माना जाता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि आप जरूरत से ज्यादा कर्ज व ब्याज के बोझ तले दब जाते हैं। इस तरह अगर कभी आपको जॉब में समस्या होती है तो घर का खर्चा उठाना भी भारी पड़ जाएगा।

पैसे को इनवेस्ट ना करना

यह एक बेहद जरूरी कदम है, लेकिन अधिकतर लोग बुढ़ापे में इनवेस्टमेंट करने पर विचार करते हैं। जबकि यह आपकी बहुत बड़ी गलती हो सकती है। अगर आप शुरुआत से ही पैसे को थोड़ा इनवेस्ट करने के लिए प्लॉन करती हैं तो ऐसे में आपको आगे चलकर काफी अच्छी रकम एक साथ मिल जाती है। आजकल इनवेस्टमेंट के कई बेहतरीन प्लॉन अवेलेबल हैं, जिनमें आप मंथली से लेकर सालाना रिटर्न ले सकती हैं या फिर कुछ सालों के बाद आपको एक बड़ी रकम भी मिल सकती हैं। आप अपनी सैलरी इनकम के छोटे से हिस्से से इनवेस्टमेंट की शुरुआत करें। इससे धीरे-धीरे आप खुद को फाइनेंशियली अधिक स्ट्रॉन्ग महसूस करेंगी।



जीवन पर कई तरह से असर डालता है साफ सुथरा और व्यवस्थित घर

हम घर को साफ़-सुथरा और व्यवस्थित बनाते हैं, फिर घर हमारे मन को साफ़ और ज़िंदगी को व्यवस्थित करता है। दीपावली जीवन में जो अपार सुख भरती है, उसका एक बड़ा हिस्सा स्वच्छता और व्यवस्था से उपजता है। इस जादू को महसूस करने के दिन आ गए हैं!

दीपावली के आने की पहली आहट घर की साफ़-सफ़ाई के 'संगीत' में मिलती है। जीवन की धुरी घर है तो घर की धुरी स्त्री, यानी स्त्री के हाथों घर और घर के ज़रिए जीवन के व्यवस्थित होने की शुरुआत हो रही होती है। दीप पर्व दूसरे सारे त्योहारों की तरह हमें उमंग-तरंग से तो भरता ही है, साथ ही पूरे एक वर्ष के लिए हमारे जीवन का नवीनीकरण कर जाता है, इसीलिए ये हमारी संस्कृति का सबसे बड़ा त्योहार है।

दीपावली आती है तो घर की हर चीज़ पर नज़र ज़रूर डाली जाती है। उसे धोया या झाड़ा-पोंछा जाता है। उसकी सही जगह पर रखा जाता है। देखा जाता है कि फलां वस्तु अब काम की रही भी कि नहीं! वह वहीं ठीक रहेगी जहां रखी है या किसी और जगह पर उसका होना मुनासिब होगा? अगर वह अब अपने मूल काम की नहीं रही, तो क्या किसी और काम आ सकती है? और ये भी नहीं तो उसे किसे दे दिया जाए कि वह उसके कोई काम आ जाए? यह सब नहीं हो पाता, तब जाकर हम उसके फेंके जाने पर पहुंचते हैं। इस गुण ने ही तो इस प्राचीन सभ्यता को यूं जीवंत बनाए रखा है। हम किसी भी चीज़ के सदुपयोग की कोशिश अंत तक करते हैं।

घर को जमाना मन को सजाना

ऐसा नहीं है कि इस क़वायद का उद्देश्य केवल चीज़ों को चमकाना और अच्छा दिखाना है। इसके पीछे पूरा का पूरा मनोविज्ञान है। दरअसल, जब मन अच्छा होता है तब तो जीवन क्रम में रहता ही है, लेकिन कभी जब बिखराव ज़्यादा हो जाए और मन समझाए न समझे, तब जीवन को व्यवस्थित कर मन को अच्छा करना पड़ता है। और दीपावली पर पूरे घर को फिर से व्यवस्थित करना वही नुस्ख़ा है। एक बार ठीक हुआ मन फिर लंबे समय तक या कह लीजिए, कम से कम एक साल तक तो जीवन को व्यवस्थित रखने के लायक़ बन ही जाता है और तब तक अगली दीपावली आ जाती है!

घर में स्वच्छता और व्यवस्था का असर क्या होता है, यह शोध-अध्ययन के बजाय महसूस करने की बात है। हर किसी ने दिवाली की सफ़ाई के बाद में अतिरिक्त सकारात्मकता, उमंग और उत्साह का अनुभव किया ही होगा। जहां तक रिसर्च की बात है, तो उनसे भी पुष्टि होती है कि साफ़-सुथरा और अच्छी तरह व्यवस्थित घर रहने वालों के जीवन पर कई तरह से असर डालता है। सबसे बड़ा प्रभाव तो मन की उलझन और जकड़न दूर होने के रूप में पड़ता है। आप स्पष्ट ढंग से सोच पाते हैं। यही वजह है कि सुव्यवस्था को रचनात्मकता बढ़ाने वाला तत्व भी माना जाता है। तनाव और चिड़चिड़ापन भी कम हो जाता है। इसके अलावा, सामाजिक मामलों में आपका आत्मविश्वास बढ़ता है, क्योंकि अब आपको चिंता नहीं होती कि कोई अचानक आ धमकेगा तो घर की हालत देखकर क्या सोचेगा! बल्कि आप तो लोगों को आमंत्रित करना चाहते हैं। यह भी मानी हुई बात है कि अस्त-व्यस्त, कबाड़ख़ाने जैसी जगह में नींद ढंग से नहीं आती, सो दिवाली के लिए की गई मेहनत आपकी नींद, सुकून, चैन और आराम में भी बढ़ोतरी करती है।

व्यवस्था में प्रवाहित होती है ऊर्जा

विज्ञान में रुचि रखने वाले पाठक ज़रूर जानते होंगे कि अणुओं का व्यवस्थित होना ही विद्युत के प्रवाह को संभव बनाता है। अणु व्यवस्थित क्रम में हुए नहीं कि बिजली अपने उद्गम से उपयोग तक निर्बाध बहने लगती है। ठीक इसी तरह हमारे घर का व्यवस्थित होना हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भरने लगता है और तब यही ऊर्जा हमारे जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की वाहक बनती है। मां लक्ष्मी की हम पर कृपा बरसने लगती है।

यही तो है दीपावली, दीपों की अवली, दीपों की पंक्ति। अमावस की उस रात हमारे घरों की चारदीवारी और मुंडेर पर लगे पंक्तिबद्ध दीये इसी बात की ही तो घोषणा कर रहे होते हैं कि देखो! हमने अपना जीवन व्यवस्थित कर लिया है। अब इसमें ऊर्जा प्रवाहित होगी।

मुक्त होने का मंत्र...

हर भावनात्मक लगाव की तरह इस बात को समझना भी बहुत ज़रूरी है कि कोई भी चीज़ चाहे आज कितनी ही ठीक हालत में क्यों न हो, कभी कितनी ही क़ीमती क्यों न रही हो, अगर आज हमारे किसी भी काम की नहीं, तो बेहतर है हम ऐसे किसी को दे दें जिसके काम आए। और इसे जांचने का एक सीधा-सा तरीक़ा है ...

यदि दैनिक जीवन की किसी चीज़ को आपने एक वर्ष से काम में नहीं लिया या वार-त्योहार के लिए सहेजी चीज़ों को ऐसे ही किसी मौक़े पर काम में लेने से आप हिचकिचाए हैं और अंततः आपने उसे रखा ही रहने दिया, तो यक़ीन मानिए वह अब आपके किसी काम की नहीं। उसका होना भीड़ ही बढ़ाएगा, अव्यवस्था ही फैलाएगा।





लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल स्टेबिलिटी के लिए अपनाएं ये स्ट्रैटेजी

अधिकतर लोगों की यह इच्छा होती है कि एक दिन वह बहुत अमीर बन जाएं, जिसके कारण उनके पास फाइनेंशियल स्टेबिलिटी हो। पैसों की कमी के कारण उन्हें अपनी इच्छाओं या सपनों को अधूरा ना छोड़ना पड़े। हालांकि, इसके लिए फाइनेंशियल प्लानिंग करना बेहद जरूरी होता है, जिसके लिए अधिकतर लोग तैयार नहीं होते हैं।

यह सच है कि फाइनेंशियल स्टेबिलिटी आपको पैसे की चुनौतियों के साथ आने वाले तनाव और चिंता को दूर रखती है और आपको अपनी इच्छानुसार जीने की आजादी देती है। इतना ही नहीं, इससे आपके सफल होने के चांसेस भी बढ़ जाते है। यह जरूरी नहीं है कि आपकी कमाई लाखों में ही हो। अगर आप चाहें तो हजारों में कमाकर भी लॉन्ग टर्म में फाइनेंशियल स्टेबिलिटी को हासिल कर सकते हैं। बस इसके लिए सही स्ट्रैटेजी को अपनाना जरूरी होता है।

सेट करें गोल्स

लॉन्ग टर्म में फाइनेंशियल स्टेबिलिटी हासिल करने के लिए आज ही आपको अपने फाइनेंशियल गोल्स सेट कर लेने चाहिए। जब आप अपने टारगेट्स सेट कर लेते हैं तो उन्हें मॉनिटर करना और उन्हें अचीव करने के लिए सही कदम उठाना अधिक आसान हो जाता है। इतना ही नहीं, यह आपको अपनी आमदनी और खर्चों के प्रति अधिक जवाबदेह भी बनाता है। एक बार जब आप गोल्स सेट कर लें तो उसके अनुसार ही अपना बजट, खर्च, निवेश व बचत के बारे में स्ट्रैटेजी बनाएं।

लोन को करें मैनेज

अक्सर लोग लैविश लाइफ जीने के चक्कर में कई तरह के लोन लेते हैं या फिर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन उसका समय पर भुगतान नहीं करते हैं। इस तरह के लोन या समय पर भुगतान ना करने से आपको बहत अधिक ब्याज देना पड़ता है, जो कहीं ना कहीं आपके फाइनेंशियल टारगेट्स को नेगेटिव तरीके से इफेक्ट करता है। इतना ही नहीं, लोन का ब्याज भी लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल स्टेबिलिटी में बाधा बन सकता है। इसलिए, सोच समझकर ही लोन लें और अपनी जरूरत के अनुसार ही लोन लें।

बचत को बनाएं अपनी आदत

बचत को अपनी एक आदत बनाएं। आप हर महीने अपने सेविंग अकाउंट से कुछ राशि को ऑटोमेटिक ट्रांसफर पर सेट करें। मसलन, आप एसआईपी में निवेश कर सकते हैं, जिसमें हर महीने एक निश्चित राशि आपके अकाउंट से कट जाएगी। कोशिश करें कि आप अपनी आय का कम से कम 20 प्रतिशत जरूर बचाएं। जब आप बचत को अपनी आदत बना लेते हैं तो लॉन्ग टर्म में आप बहुत अधिक धनराशि जमा कर सकते हैं।

समझदारी से करें इनवेस्ट

लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल स्टेबिलिटी हासिल करने के लिए सिर्फ सेविंग करना ही काफी नहीं होता है। आपको ऐसे रास्ते ढूंढने चाहिए, जिससे आप अपने पैसों की ग्रोथ होते हुए देखें। ऐसे में इनवेस्ट करना अच्छा विचार है। आप कई तरह की स्कीम में इनवेस्ट कर सकते हैं। लेकिन जब भी आप इनवेस्ट करें तो उसके रिस्क, फायदे व लॉकिंग पीरियड जैसे कई पहलुओं पर विचार करें और उसके बाद ही कोई कदम बढ़ाए। आप चाहें तो किसी अच्छे फाइनेंशियल एडवाइजर से सलाह भी ले सकते हैं।



आपकी मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर डालते हैं सोशल मीडिया पर दूसरों के रिएक्शन

इंटरनेट के इस युग में हम सभी के लिए सोशल मीडिया एक जरूरत बनता जा रहा है। सुबह उठकर हम सभी सबसे पहले अपने फोन को चेक करते हैं और सोशल मीडिया पर जाकर स्क्रॉल करना शुरू कर देते हैं। दूसरों की पोस्ट को लाइक करने से लेकर कमेंट लिखने व पढ़ने का यह सिलसिला हर किसी की जिन्दगी का एक हिस्सा बन चुका है। अधिकतर लोग अपनी लाइफ को सोशल मीडिया पर शेयर करना पसंद करते हैं। हालांकि, इसमें कोई बुराई नहीं है। लेकिन कभी-कभी दूसरों से कनेक्ट करने वाला यह प्लेटफार्म आपकी लत बन जाता है। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर दूसरों के रिएक्शन आपकी मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर डालते हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि आप कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक ले लें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही संकेतों के बारे में बता रहे हैं, जो यह बताते हैं कि अब आपको एक सोशल मीडिया ब्रेक ले लेना चाहिए-

बहुत अधिक तनाव होना

अगर सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने से आप खुद को बहुत अधिक तनाव में महसूस करते हैं या फिर आपको एक भारीपन का अहसास होता है तो ऐसे में आपको सोशल मीडिया से ब्रेक ले लेना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया पर मौजूद नेगेटिव खबरों व ऑनलाइन विवादों के लगातार संपर्क में रहने से आप भी नेगेटिव फील कर सकते हैं।

असंतुष्ट महसूस करना

जहां सोशल मीडिया दूसरों से कनेक्ट करने का एक अच्छा तरीका है। वहीं, इन प्लेटफॉर्म पर लोग खुद की तुलना दूसरों से जरूर करते हैं। जिसके कारण उनके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचती है। यह भी संभव है कि आप दूसरों के जीवन या लाइफस्टाइल को देखकर खुद में असंतुष्टि का अहसास करने लगें। अगर आपके मन में ऐसी फीलिंग्स बढ़ने लगी हैं तो बेहतर होगा कि आप एक कदम पीछे लें और कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाएं।

नींद पर असर पड़ना

सेहतमंद रहने के लिए अच्छी नींद लेना बेहद जरूरी है। लेकिन ऐसे भी बहुत से लोग हैं, जो सोशल मीडिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। खासतौर से, बेडटाइम पर स्क्रॉल करने की उनकी आदत होती है। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो इसका अर्थ है कि आप अपने स्लीप पैटर्न के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इससे आपको कई तरह के हेल्थ इश्यूज का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि इस आदत को तोड़ने के लिए आप कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से दूरी बना लें।

प्रोडक्टिविटी में कमी आना

जिन लोगों को सोशल मीडिया की लत लग जाती है, वे अपना अधिकतर समय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ही बिताना पसंद करते हैं। ऐसे में उनकी प्रोडक्टिविटी पर नेगेटिव असर पड़ने लगता है। हो सकता है कि वह अपनी क्षमता के अनुसार काम ना कर रहे हों या फिर उनके काम की क्वालिटी पर नेगेटिव असर पड़ने लगा हो। अगर आपके साथ ऐसा हो रहा है तो आपको सोशल मीडिया को अलविदा कह देना चाहिए।